सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 282, नई दिल्ली

शनिवार, 23 दिसम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

खुशी और गम एक दूसरे के समांतर चलते हैं जब एक शांत होता है तो दूसरा भी शिथिल पड़ जाता है

परिवहन विभाग द्वारा ग्रेप 3 की पाबंदी के आदेश हुए आज फिर जारी

यूरो 3 पेट्रोल और यूरो 4 डीजल हल्के वाहनों पर पाबन्दी ● आदेश को नही मानने पर जुर्माना लागू

संजय बाटला

दिल्ली में एक बार फिर से प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है। शुक्रवार की सुबह तो दिल्ली में एक्यूआई 450 दर्ज किया गया। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए ग्रेप तीन के आठ सूत्री प्रतिबंध लागू कर दिया है। दोबारा प्रदूषण बढ़ने पर दिल्ली-एनसीआर में निर्माण-कार्य और ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी गई है। साथ ही स्टोन क्रसर के संचालन पर रोक लगाई गई है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक बार फिर से प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है। करीब एक माह बाद दिल्ली का एयर इंडेक्स एक बार फिर 400 से अधिक पहुंच गया है। इस वजह से दिल्ली में हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच गई। साथ ही शुक्रवार को बिहार के बेगूसराय के बाद दिल्ली देश में सबसे अधिक प्रदूषित रहा।

आठ सूत्री प्रतिबंध लागू किए गए

स्थिति को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रेप तीन के आठ सूत्री प्रतिबंध लागू कर दिया है। दोबारा प्रदूषण के स्तर बढ़ने पर दिल्ली-एनसीआर में निर्माण-कार्य और ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा बीएस तीन पेट्रोल और बीएस चार डीजल से चलने वाले चार पहिया वाहनों पर पाबंदी लग गई है।

स्कूलों में ऑनलाइन क्लास का निर्देश

साथ ही स्टोन क्रसर के संचालन पर रोक लगाई गई है। सबसे बड़ी बात है कि हवा गुणवत्ता और खराब होने पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली और एनसीआर से संबंधित राज्य सरकारों को स्कूलों का संचालन ऑनलाइन करने का निर्देश दिया है।

शनिवार को ऐसे रहेगी दिल्ली की हवा

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शनिवार को भी हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रहेगी। इसके बाद एयर इंडेक्स थोड़ा कम हो सकता है। फिर भी भी रविवार और सोमवार को क्रिसमस के दिन हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रहेगी। इसलिए अभी प्रदूषण से ज्यादा राहत मिलने की संभावना नहीं है।

GOVT OF NCT OF DELHI : TRANSPORT DEPARTMENT
POLLUTION CONTROL DIVISION
5/9 UNDER HILL ROAD, DELHI-110054

F.No.23(1697)/CAP/TPT/PCD/2022/Pt. File
CD No. 075714609

Dated :-22.12.2023

ORDER

Subject :- Implementation of Action under Stage-III (Severe air quality) of revised GRAP in Delhi NCR steps to be taken

The Sub Committee for operationalisation of the revised GRAP has reviewed the air quality scenario as well as the forecast for meteorological conditions and Air Quality Index in Delhi. The Sub-Committee vide Order No.120017/27/GRAP/2021/CAQM/2096-2249 dated 22.12.2023 has invoked all the actions as envisaged under Stage – III of the GRAP 'Severe' Air Quality (Delhi AQI ranging between 401-450), with immediate effect in the NCR, in addition to all the actions under Stage – I and Stage – II of the GRAP.

As per directions as provided under Stage- III of the revised GRAP and under Section 115 of Motors Vehicle Act, 1988, it is hereby ordered that there shall be restrictions to ply BS-III petrol and BS-IV diesel LMVs (4 wheelers) in NCT of Delhi with immediate effect till further orders (*except for vehicles deployed in Emergency services, police vehicles & Govt vehicles used for Enforcement*).

If any BS-III petrol and BS-IV diesel LMVs (4 wheeler) found plying on road will be will be prosecuted under section 194 (1) of Motor Vehicle Act, 1988 which provides with a fine of Rs. 20,000/-.

This issues with the approval of the Competent Authority.

Yogesh Jain
Dy. Commissioner (Transport)

To:

1. Special Commissioner, Delhi Traffic Police (HQ), Dev Prakash Shastri Marg, Delhi-110012
2. Nodal Officer (Traffic), Delhi Police
3. Dy. Commissioner (Enforcement), Transport Department, GNCTD

Copy for information:

1. Secretary, Hon'ble Minister, Transport, GNCTD.
2. PPS to Pr. Secy. Cum Commissioner, Transport Department, GNCTD
3. Spl. Commissioner (Transport), Govt. of NCT of Delhi
4. Director (Environment), Department of Environment, Govt. of NCT of Delhi

Yogesh Jain
Dy. Commissioner (Transport)

प्रदूषण के नाम पर गाड़ियां बेचने का धंधा हो रहा है : संजय सम्राट

नई दिल्ली। ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना है की प्रदूषण के नाम पर गाड़ियाँ बेचने का धंधा हो रहा है

इसकी पूरी संभावना हमें लग रही है क्योंकि डीजल के BS 2 ट्रक को इन्होने खुलेआम चलने की इज्जाजत दें दी है. जानभूझ कर डीजल ट्रको को इन्होने ग्रेप 4 स्टेज में रखा है जब प्रदूषण का AQI 451 से ऊपर होगा.

संजय सम्राट का कहना है कि हमारी डीजल की BS 4 टैक्सी और टेम्पो ट्रेवलर जो की आल इंडिया टूरिस्ट परमिट के है ज्यादातर देशी विदेशी पर्यटको को लेकर दिल्ली एनसीआर से बाहर दुसरे राज्यों में चले जाते है. जबकि BS 2 डीजल ट्रक रोज लाखों की संख्या में दिल्ली में आते है या दिल्ली से होकर दुसरे राज्यों में जाते है. क्योंकि सरकार और CAQM ट्रक वालो की एसोसिएशन से डरते है ? क्योंकि ये लोग हड़ताल कर देते है. दिल्ली सरकार ने और CAQM ने ट्रांसपोर्टर्स में फुट डालो शाशन करो की नीति अपनाई है इन्होने डीजल टैक्सी बसों वालो को ग्रेप सिस्टम में बाटने का काम करा है. ये एक तरह से साजिश के तहत किया गया है. जिस से पूरे दिल्ली एनसीआर के टैक्सी बस वाले अपनी एकजुटता ना दिखा सके और सरकार के खिलाफ कोई बड़ा आंदोलन ना कर पाए.

एक डीजल BS 4 टेम्पो ट्रेवलर जिसके 4 पहिये है उसको चलने की इज्जाजत नहीं है लेकिन BS 4 डीजल का टेम्पो ट्रेवलर जिसके 6 पहिये है उसको रोड पर चलने की इज्जाजत है.

एक तरह से CAQM और दिल्ली सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए गाड़ियों के पाहियों को पैमाना बना रही है.

संजय सम्राट का कहना है की जल्दी हीं दिल्ली सरकार और कमिसन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा क्योंकि ये भारत के करोडो टैक्सी और टेम्पो ट्रेवलर मालिकों उनके चालकों और उनके परिवार की रोजी रोटी का सवाल है।

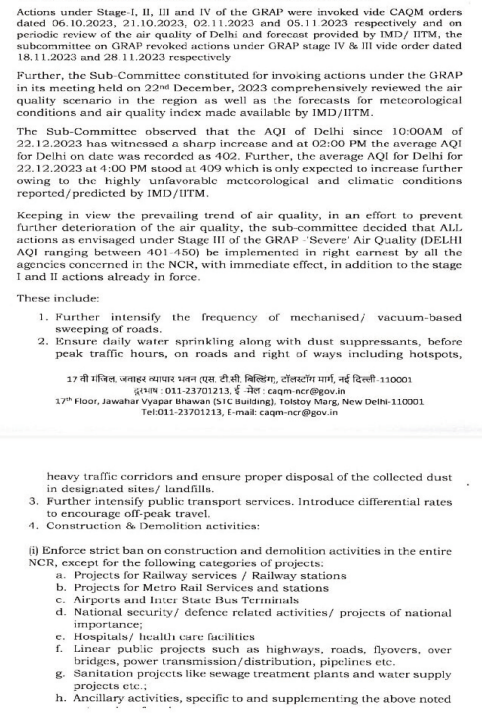

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्र
वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग
Commission for Air Quality Management in National Capital Region and Adjoining Areas

No.120017/27/GRAP/2021/CAQM/2096-2249 22nd December, 2023

ORDER

Sub.: Implementation of Actions under Stage-III ('Severe' Air Quality) of revised Graded Response Action Plan in Delhi-NCR- steps to be taken.

The Commission for Air Quality Management in NCR and adjoining areas, vide Direction No. 77 dated 6th October, 2023, issued statutory direction for implementation of the revised schedule of the Graded Response Action Plan (GRAP) with immediate effect as and when orders under GRAP are invoked. The same is also available on the CAQM website (caqm.nic.in).

Actions under Stage-I, II, III and IV of the GRAP were invoked vide CAQM orders dated 06.10.2023, 21.10.2023, 02.11.2023 and 05.11.2023 respectively and on periodic review of the air quality of Delhi and forecast provided by IMD/ IITM, the subcommittee on GRAP revoked actions under GRAP stage IV & III vide order dated 18.11.2023 and 28.11.2023 respectively

Further, the Sub-Committee constituted for invoking actions under the GRAP in its meeting held on 22nd December, 2023 comprehensively reviewed the air quality scenario in the region as well as the forecasts for meteorological conditions and air quality index made available by IMD/IITM.

The Sub-Committee observed that the AQI of Delhi since 10:00AM of 22.12.2023 has witnessed a sharp increase and at 02:00 PM the average AQI for Delhi on date was recorded as 402. Further, the average AQI for Delhi for 22.12.2023 at 4:00 PM stood at 409 which is only expected to increase further owing to the highly unfavorable meteorological and climatic conditions reported/predicted by IMD/IITM.

Keeping in view the prevailing trend of air quality, in an effort to prevent further deterioration of the air quality, the sub-committee decided that ALL actions as envisaged under Stage III of the GRAP -'Severe' Air Quality (DELHI AQI ranging between 401-450) be implemented in right earnest by all the agencies concerned in the NCR, with immediate effect, in addition to the stage I and II actions already in force.

These include:

1. Further intensify the frequency of mechanised/ vacuum-based sweeping of roads.
2. Ensure daily water sprinkling along with dust suppressants, before peak traffic hours, on roads and right of ways including hotspots,

17 वी मंजिल, जवाहर व्यापार भवन (एस. टी.सी. बिल्डिंग), टॉलस्टॉय मार्ग, नई दिल्ली-110001
दूरभाष : 011-23701213, ई -मेल : caqm-ncr@gov.in
17th Floor, Jawahar Vyapar Bhawan (STC Building), Tolstoy Marg, New Delhi-110001
Tel:011-23701213, E-mail: caqm-ncr@gov.in

heavy traffic corridors and ensure proper disposal of the collected dust in designated sites/ landfills.
3. Further intensify public transport services. Introduce differential rates to encourage off-peak travel.
4. Construction & Demolition activities:

(i) Enforce strict ban on construction and demolition activities in the entire NCR, except for the following categories of projects:
a. Projects for Railway services / Railway stations
b. Projects for Metro Rail Services and stations
c. Airports and Inter State Bus Terminals
d. National security/ defence related activities/ projects of national importance;
e. Hospitals/ health care facilities
f. Linear public projects such as highways, roads, flyovers, over bridges, power transmission/distribution, pipelines etc.
g. Sanitation projects like sewage treatment plants and water supply projects etc.;
h. Ancillary activities, specific to and supplementing the above noted

मुख्यमंत्री धामी ने वॉल्वो बस सेवा को दिखाई हरी झंडी

चंपावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टनकपुर में शुक्रवार को देहरादून के लिए 42 सीटर वॉल्वो बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने बनबसा में जगबुड़ा पुल पर बस की विधिवत पूजा अर्चना की। कहा कि जनता को सहूलियत उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। लोगों को वोल्वो बस सेवा से आधुनिक और आरामदायक परिवहन की सुविधा मिलेगी। टनकपुर के लिए वॉल्वो बस सेवा का उपलब्ध होना पर्यटन परिदृश्य के लिए भी नए आयाम लेकर आएगा।

उन्होंने कहा कि टनकपुर नगर में 5590.70 लाख की लागत से बनने वाले रोडवेज बस टर्मिनल, डिपो वर्कशॉप बिल्डिंग, रीजनल वर्कशॉप बिल्डिंग और टायर शॉप के निर्माण कार्य किया जा रहा हैं। इसके तहत टनकपुर शहर में बनने वाले बस टर्मिनल को आधुनिक सुविधाओं से लैस बनाया जाएगा। जिसमें बस टर्मिनल, बस डिपो अंतर्गत 100 व्यक्तियों का क्षमतायुक्त वातानुकूलित प्रतीक्षालय, 100 व्यक्तियों की

बैठक क्षमता युक्त फूड कोर्ट, 170 वाहन क्षमता युक्त कार पार्किंग, 20 बेड का पुरुष और महिला डोरमेट्री, 12 बस के बोर्डिंग प्लेटफार्म, 24 बसों हेतु बस पार्किंग, 7 बस के लिए हेतु इलेक्ट्रॉनिक चार्जिंग युक्त पार्किंग सुविधा, 20 बस के लिए वर्कशॉप सुविधा, शॉपिंग स्टोर, रेस्टोरेंट, डिस्पेंसरी, पुरुष-महिला सार्वजनिक शौचालय बनाए जाएंगे।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष निर्मल माहरा, प्रदेश मंत्री भाजपा हेमा जोशी, जिला प्रभारी विकास शर्मा, डीएम नवनीत पांडे, एसपी देवेंद्र पींचा, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, दीपक रजवार, मुकेश कलखुडिया, सुभाष बगौली, गोविंद सामंत, पवन माहरा, एसडीएम आकाश जोशी आदि मौजूद रहे।

नोएडा एयरपोर्ट तक रैपिड रेल का दिल्ली हवाईअड्डे से वाया गाजियाबाद होगा विस्तार, मुख्यमंत्री योगी ने दी रूट को मंजूरी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से रैपिड रेल कनेक्टिविटी वाया गाजियाबाद ही होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस रूट को स्वीकृति देते हुए नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस रूट को खारिज कर दिया गया। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एनसीआरटीसी) को तीन माह में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रेटर नोएडा: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की आईजीआई एयरपोर्ट दिल्ली से रैपिड रेल कनेक्टिविटी वाया गाजियाबाद ही होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस रूट को स्वीकृति देते हुए नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस रूट को खारिज कर दिया गया।

नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एनसीआरटीसी) को तीन माह में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। रूट को दो चरण में विकसित किया जाएगा। इस रूट के जरिए आईजीआई एयरपोर्ट से नोएडा एयरपोर्ट तक 80 मिनट और गाजियाबाद से 50 मिनट में पहुंचा जा सकेगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अक्टूबर 2024 में यात्री सेवाओं की शुरुआत हो जाएगी। एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी की योजनाओं का खाका तैयार किया जा रहा है। मेरठ, मोदीनगर, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा वेस्ट से नोएडा एयरपोर्ट से तीव्र गति से जुड़ने के लिए आरआरटीएस (रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम) परियोजना की तैयार की जा रही है। यह कॉरिडोर नोएडा एयरपोर्ट को दिल्ली व आईजीआई एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी देगा।

एयरपोर्ट पहुंचने में लगेगा कम समय

सराय काले खां रेलवे स्टेशन से 70 मिनट में और मेरठ से 85 मिनट में यात्री नोएडा एयरपोर्ट पहुंच सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में हुई बैठक में एनसीआरटीसी को परियोजना की डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए हैं। कॉरिडोर की लंबाई 72.2 किमी होगी, इसमें 25 स्टेशन होंगे। ब्लू लाइन व एक्वा लाइन मेट्रो को भी इससे जोड़ा जाएगा। आरआरटीएस और मेट्रो को समान ढांचे पर संचालित करने के लिए 14 मेट्रो स्टेशन जोड़े जा सकेंगे।

12 हजार करोड़ के खर्च का अनुमान

परियोजना पर 12 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। आरआरटीएस के लिए केंद्र सरकार 1804 करोड़, प्रदेश सरकार 2581 करोड़ रुपए देगी। बैंकों के जरिये 5413 करोड़ रुपए मिलेंगे। आरआरटीएस और मेट्रो दोनों पर 12 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च होगी। इसमें भी केंद्र, प्रदेश सकार एवं बैंकों से ऋण लिया जाएगा।

चेयरकार ईएमयू होगी वातानुकूलित

चेयरकार ईएमयू पूरी तरह वातानुकूलित होगी। इसकी बाडी स्टेनलेस स्टील और एल्यूमीनियम की होगी। यह इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम पर आधारित होगी। किराये के लिए क्यूआर आधारित प्रिंटेड टिकट और नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड का उपयोग होगा। प्रदेश सरकार सरकारी परियोजना के लिए निश्शुल्क भूमि उपलब्ध कराएगी।

2031 तक तैयार होगा पहला चरण

कॉरिडोर का निर्माण दो चरणों में होगा। पहले चरण में गाजियाबाद से ईकोटेक 5 के बीच 37.15 किमी का कारिडोर 2031 तक बनकर तैयार होगा। दूसरा चरण ईकोटेक 5 से नोएडा एयरपोर्ट तक 35.11 किमी का कारिडोर बनेगा। यह 2041 तक पूरा होगा। रूट पर गाजियाबाद आरआरटीएस, गाजियाबाद साउथ, ग्रेटर नोएडा वेस्ट (सेक्टर 4), ग्रेटर नोएडा (सेक्टर 2), नॉलेज पार्क 5, सूरजपुर, परी चौक, इकोटेक-5, दनकौर, यीडा नार्थ (सेक्टर-18), यीडा सेंट्रल (सेक्टर-21, 35) और नोएडा एयरपोर्ट स्टेशन होंगे।

उबर, ओला जैसे खिलाड़ियों को टक्कर देने के लिए बंगलूरू के कैब ड्राइवर ने लॉन्च किया अपना खुद का एप

परिवहन विशेष न्यूज

बंगलूरू की उद्यमी भावना को दर्शाते हुए एक चौंकाने वाले कदम में, एक कैब ड्राइवर ने अपना खुद का एप, ₹नैनो ट्रैवल्स₹ लॉन्च करके प्रतिस्पर्धी राइड-हेलिंग बाजार में एंट्री की है।

बंगलूरू की उद्यमी भावना को दर्शाते हुए एक चौंकाने वाले कदम में, एक कैब ड्राइवर ने अपना खुद का एप, ₹नैनो ट्रैवल्स₹ लॉन्च करके प्रतिस्पर्धी राइड-हेलिंग बाजार में एंट्री की है। इस कैब ड्राइव की पहचान ₹लोकेश₹ के तौर पर हुई है। इसकी घोषणा एक ऐसे यूजर ने सोशल मीडिया ट्विटर के जरिए की गई, जिसने व्यक्तिगत रूप से लोकेश की सर्विस का अनुभव किया है।

ट्वीट के मुताबिक, ₹नैनो ट्रैवल्स₹ में पहले से ही 600 से ज्यादा ड्राइवरों का एक प्रभावशाली बेड़ा है। जो राइड-हेलिंग क्षेत्र में उद्योग दिग्गजों उबर और ओला के प्रभुत्व को देखते हुए एक अहम उपलब्धि मानी जा सकती है। ट्वीट ने एप के आईओएस संस्करण के हाल ही में लॉन्च होने का भी खुलासा किया, जिससे आईफोन यूजर्स के लिए इसकी पहुंच का विस्तार हुआ।

साथ में दिया गया पैम्फलेट, संभवतः ₹नैनो ट्रैवल्स₹ से, एक सुव्यवस्थित कस्टमर सपोर्ट सिस्टम का संकेत देता है, जिसमें संपर्क जानकारी जैसे फोन नंबर और ईमेल पता शामिल है। पैम्फलेट 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस के लिए एक स्पेशल ऑफर का भी प्रचार करता है।

माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म X (जो पहले ट्विटर था) पर साझा की गई खबर को पोस्ट किए जाने के बाद से 49,000 से ज्यादा बार देखा गया है।

प्लेटफॉर्म पर यूजर्स ने इस अनोखे कदम पर अपने विचार साझा किए। कुछ ने लोकेश की उद्यमी भावना की तारीफ की है। हालांकि, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में ₹नैनो ट्रैवल्स₹ की निरंतरता के बारे में भी संदेह जताया गया। और एप-आधारित परिवहन उद्योग में पैर जमाने की चुनौतियों के बारे में चिंताओं को उठाया गया।

इन शंकाओं के बावजूद, लोकेश की पहल के लिए, उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देते हुए, समर्थन जताने वाले उत्साहजनक कमेंट्स थे। एक यूजर ने नए कैब एप के संभावित फायदों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि इससे यात्रियों को अतिरिक्त ऑप्शन मिलेगा और संभावित रूप से उबर और ओला जैसी मौजूदा कंपनियों द्वारा सामने आने वाली चुनौतियों को कम करेगा।

जैसा कि बंगलूरू लगातार इनोवेटिव और अप्रत्याशित विकास का केंद्र बना हुआ है, लोकेश का राइड-हेलिंग बाजार में एंट्री करना शहर के गतिशील उद्यमशील परिदृश्य की एक और मिसाल है।

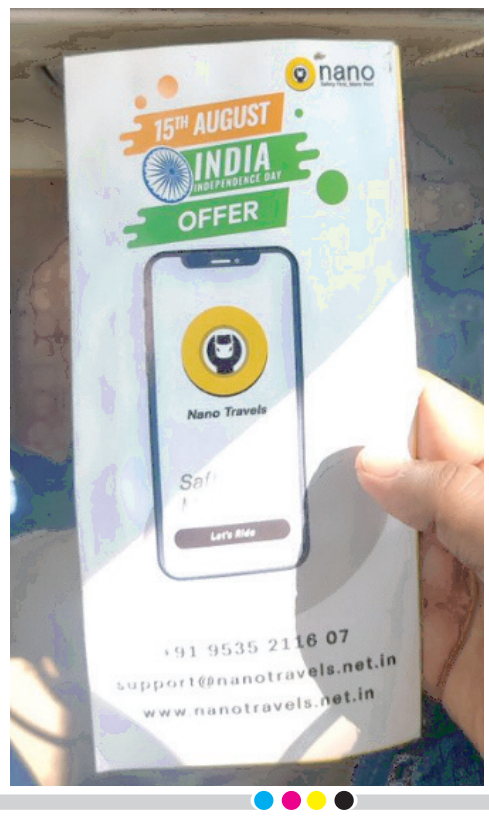

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

गाय-भैंस-बकरियां सेल से 550 करोड का कारोबार 'आईआईटी पास लडकियों का' स्टार्टअप कमाल

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नीतू यादव और कीर्ति जांगडा नाम की दोनों लडकियों ने अपने दो दोस्त अनुराग बिसोय व लिबिन वी बाबू के साथ मिलकर गाय,भैंस बकरियों की आनलाइन सेल से स्टार्टअप की शुरुआत में आज सालाना इंन्कम करीब 550 करोड से ज्यादा का कारोबार कर दोनों लडकियों ने जमाने की सोच को ही बदल दिया है। दरअसल अभी-तक पालतू पशुओ की खरीद-बिक्री शहर की किसी निर्धारित मार्किट या पशु मेले तक सीमित रही है । लेकिन दिल्ली 'आईआईटी' से पासआउट नीतू यादव और कीर्ती जांगडा ने पशु बाजार में अपना डंका बजा दिया है। वजह साफ है कि आधुनिक समाज में इस काम को अति पिछड़ा माना जाता रहा है। अगस्त 2019 में नीतू यादव और कीर्ति जांगडा ने इस बिजनेस को शुरू करने से पहले किसानों की राय जाननी चाही और सर्वे के जरिए देहाती और शहरी इलाको में रहने वाले सैंकडों लोगो से बातचीत की। इस दौरान किसानों ने नीतू और कीर्ती के आइडिया को खासा पसंद किया। जानकर हैरानी होगी कि महज 3 महीने की मशक्कत के बाद ही दोनों लडकियों ने 50 लाख की पूंजी के साथ अपने स्टार्टअप को बडे लेबल पर लॉन्च कर दिया। आज एनिमल ऐप 'animall app' का इस्तेमाल देशभर में 80 लाख से ज्यादा किसान कर रहे हैं। बता दें कि इस ऑनलाइन प्लेटफार्म पर 8.50 लाख से ज्यादा पशु बेचे जा चुके हैं। इससे पहले किसी किसान ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि गाय, भैंस और बकरी समेत अन्य पालतू पशु मोबाइल के जरिए घर बैठे-बैठे खरीदे बेचे जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 'एनिमाल ऐप' भी फ्लिपकार्ट, अमेजन, जौमेटो की तरह एक आनलाइन प्लेटफार्म है। एनिमाल को शुरूआती चरण में ही करीब 150 करोड रूपये की फंडिंग हांसिल हो गई थी। बेंगलूरू में एक छोटे कमरे से शुरू हुए इस स्टार्टअप की सालाना आय आज करीब 550 करोड रूपये से ज्यादा हो गई है। दोनों लडकियों ने आधुनिक समाज में भी पशु क्रांति कारोबार से लाखों पढे लिखे बेरोजगारों को संसद में छलांग लगाने की बजाए इन लडकियों से सबक लेना चाहिए।

पीरियड्स में करें ये 3 योगासन, दूर हो जाएगा पेट दर्द और ऐंठन से मिलेगा छुटकारा, मूड भी होगा फ्रेश

कुछ महिलाओं में यह पीरियड्स के शुरू होने से पहले भी हो सकता है. जिसे पीएमएस कहते हैं. यह दर्द 48 से 72 घंटों तक रह सकता है. हालांकि, कुछ महिलाओं को इस समय से ज्यादा भी इस दर्द को झेलना पड़ सकता है. इस बात की सभी महिलाओं को काफी गलतफहमियां रहती हैं, कि पीरियड्स के दिनों में योग करना चाहिए या फिर नहीं.

महिलाओं को हर महीने पीरियड्स होते हैं. इस दौरान असहनीय कमर दर्द और क्रैम्प उन्हें बेहाल कर देता है. जब पीरियड्स में ब्लीडिंग शुरू होती है, तो उसके साथ दर्द भी शुरू हो जाता है. लेकिन कुछ महिलाओं में यह पीरियड्स के शुरू होने से पहले भी हो सकता है. जिसे पीएमएस कहते हैं. यह दर्द 48 से 72 घंटों तक रह सकता है. हालांकि, कुछ महिलाओं को इस समय से ज्यादा भी इस दर्द को झेलना पड़ सकता है. इस बात की सभी महिलाओं को काफी गलतफहमियां रहती हैं, कि पीरियड्स के दिनों में योग करना चाहिए या फिर नहीं.

सभी महिलाएं पीरियड्स से पहले और बाद में योग करके इस तकलीफ को दूर कर सकते है. महिलाओं को इन दिनों सिर दर्द, उल्टी, चक्कर आदि समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है. कुछ महिलाएं इन परेशानियों से बचने के लिए गर्म पानी की सिंकाई करती हैं, लेकिन यह टेंपररी समाधान है. इस परेशानी में दवा से भी तत्काल राहत मिलती है लेकिन इससे भी पूरी तरह पीरियड्स पैन या क्रैंप से छुटकारा नहीं मिलता. वहीं प्रतिदिन कुछ योग आसन करने से पीरियड्स के दिनों में आप दर्द से छुटकारा पा सकते हैं.

लोकल 18 के साथ हुई बातचीत के दौरान योगिनी रश्मि बताती हैं कि पीरियड्स के दर्द से छुटकारा पाने के लिए योग काफी लाभदायक साबित होता है. योग ऐसा साधन है जिससे आपका तन और मन मजबूत बनाता है और इससे पीरियड्स के दर्द और पीरियड्स क्रैंप से छुटकारा मिल सकता है. ये हमें मानसिक रूप से मजबूत बनाता है और हमारे मूड को भी बूस्ट करता है. प्रतिदिन इन 3 योग आसान को करने से आप पीरियड्स के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं.

बटरफ्लाई पोज

बटरफ्लाई पोज को तितली आसन भी कहते हैं, पीरियड्स के दर्द को दूर करने में यह योगासन फायदेमंद साबित होता है. तितली आसन करने के लिए अपने दोनों पैरों को सामने की ओर सीधा कर के बैठ जाएं, रीढ़ की हड्डी सीधी रखें. अब पैरों को मोड़कर हाथों की अंगुलियों को पैरों के पंजों के ऊपर लाकर आपस में मिला दें. इस दौरान आपकी एडियां शरीर से सटी हुई होनी चाहिए. सामान्य रूप से सांस लेते हुए दोनों पैरों को एक साथ ऊपर ले जाएं और फिर नीचे लाएं. आपको ऐसा 15 से 20 बार करना है.

पवनमुक्तासन

ये आसन पीरियड्स के दर्द और मानसिक तनाव को दूर करने का रामबाण हैं. इस आसन से शरीर की थकान भी दूर होती है. सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएँ और पैरों को एकसाथ सीधा कर लें। अब अपने दाएं घुटने को अपनी छाती के पास ले कर आएं. जांघ को पेट तक लाकर अच्छे से दबाएं. अब अपनी दाढ़ी को दाएं घुटने से लगाएं . जब गहरी सांस लें तो घुटने को हाथों से अच्छे से पकड़ लें. घुटने को हाथ से अच्छे से पकड़ने पर छाती पर हल्का सा दबाव महसूस होगा, जो कि सामान्य है. अब सांस छोड़ते हुए घुटने को ढीला कर दें. अब पूरी प्रक्रिया को इस तरह से बाएं पैर के साथ करें. दोनों पैरों से एक-एक बार करने के बाद दोनों पैरों के साथ करें.

सुप्त भद्रकोण आसन

सुप्त भद्रकोण आसन को करने के लिए आप किसी तकिए या फिर किसी और चीज का सहारा ले सकते हैं. इसे करने के लिए आपको सबसे पहले पीठ के बल जमीन पर लेटना है. उसके बाद अपने घुटनों को मोड़कर अपने दोनों पैरों के तलवों को मिला लें. उसके बाद अपने ऊपरी भाग को पीछे की ओर स्ट्रेच करें और पिछे रखें तकिए के उपर अपनी ऊपर के शरीर को स्ट्रेच करें.

क्या दूध के साथ आयरन की गोली लेना सेहत के लिए खतरनाक? यह भ्रम या सच्चाई, डॉक्टर से जान लें हकीकत

Iron Tablet And Milk Gap: डॉक्टर प्रेग्नेंट महिलाओं और अन्य लोगों को आयरन की कमी पूरा करने के लिए आयरन की गोलियां लेने की सलाह देते हैं. अधिकतर लोग आयरन की गोलियां लेते समय कई जरूरी बातों का ध्यान नहीं देते हैं, जिसकी वजह से उन्हें फायदा नहीं होता है. आज डॉक्टर से जानेंगे कि आयरन की गोलियां किस तरह खानी चाहिए.

आयरन हमारे शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व होता है और इसकी कमी होने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है. आयरन की कमी होने पर डॉक्टर लोगों को इसकी गोलियां देते हैं, ताकि जल्द से जल्द शरीर में इसकी कमी को पूरा किया जा सके. आमतौर पर गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और कुछ मेडिकल कंडीशन से जूझ रहे लोगों को भी आयरन की गोलियां खाने की सलाह दी जाती है. हालांकि कुछ लोग आयरन की गोलियों को दूध के साथ लेने लगते हैं. अब सवाल है कि क्या आयरन की गोलियों को दूध के साथ लेना नुकसानदायक होता है? आखिर इन गोलियों को कब और किस तरह खाना चाहिए? चलिए इस बारे में डॉक्टर से हकीकत जान लेते हैं.

नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रीवेंटिव हेल्थ एंड वेलनेस डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत के मुताबिक दूध के साथ आयरन की गोलियों को नहीं खाना चाहिए. ऐसा करने से शरीर में उनका अब्जॉर्प्शन नहीं होता है और गोलियां खाने का कोई फायदा नहीं होता है. आयरन की टेबलेट को चाय या कॉफी के साथ भी नहीं लेना चाहिए. ऐसा करने से लोगों को किसी तरह का फायदा नहीं होगा. दूध के साथ आयरन की गोली लेने का कोई गंभीर खतरा तो नहीं है, लेकिन इससे दवा बेअसर हो जाती है और शरीर को कोई फायदा नहीं मिलता है.खासतौर से प्रेग्नेंट महिलाओं को इस तरह की गलती नहीं करनी चाहिए, वरना गर्भ में पल रहे बच्चे को पर्याप्त मात्रा में आयरन नहीं मिल पाएगा. इससे गर्भवती महिला और गर्भ में पल रहे बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित होगा.

सर्दियों में क्यों बढ़ जाता है घुटनों का दर्द? जानें वजह

सर्दियों में क्यों बढ़ जाता है घुटनों का दर्द? जानें वजहआगे देखें...

कैसे लेनी चाहिए आयरन की गोलियां?

डॉ. सोनिया रावत रहती हैं कि आयरन की गोलियों को हमेशा पानी या विटामिन सी से भरपूर जूस के साथ लेना चाहिए. आप ऑरेंज जूस के साथ आयरन की टैबलेट्स लेंगे तो सबसे ज्यादा फायदा होगा. इसके अलावा आयरन की टेबलेट लेने के 2 घंटे बाद ही दूध पीना चाहिए. आयरन की गोली और खाने में भी 2 घंटे का गैप रखना चाहिए. अगर आपने खाना खा लिया है तो कम से कम 2 घंटे बाद आयरन की दवा लें. इस दवा की डोज और दवा लेने का समय आप अपने डॉक्टर से पूछ सकते हैं. खुद से दवा की डोज में कोई बदलाव न करें.

केले के साथ आयरन टेबलेट लेना सेफ

डॉक्टर की मानें तो कई बार आयरन की दवा लेने के बाद प्रेग्नेंट महिलाओं को उल्टी की शिकायत होने लगती है. ऐसे में अगर आप इस दवा को केले के साथ लेंगे, तो इससे किसी भी तरह के साइड इफेक्ट नजर नहीं आएंगे और उल्टी से भी काफी हद तक राहत मिल जाएगी. इसके अलावा एक और जरूरी बात यह है कि लोगों को आयरन और कैल्शियम की दवा एक साथ नहीं लेनी चाहिए और इनमें भी कुछ घंटे का अंतर रखना चाहिए. एक साथ ये दवाएं लेने से शरीर को नुकसान हो सकता है. ऐसे में सावधानी बरतें.

पहलवान बजरंग पुनिया ने फुटपाथ पर रखा अपना पद्मश्री, कहा- घर लेकर नहीं जाऊंगा; पुलिसकर्मियों ने उठाया

परिवहन विशेष न्यूज

पहलवान बजरंग पुनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपना पद्मश्री वापस लौटाने को कहा था। इसके बाद दिल्ली के कर्तव्य पथ के पास फुटपाथ पर पद्मश्री को रख दिया। उन्होंने कहा कि मैं नहीं प्रधानमंत्री के साथ नहीं मिल सका क्योंकि मेरे पास अपॉइंटमेंट नहीं था। इसे वापस घर लेकर नहीं जाएंगे। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने पत्र और पद्मश्री पदक दोनों उठा लिए।

नईदिल्ली। शुक्रवार को पहलवान बजरंग पुनिया ने पद्मश्री वापस लौटाने की घोषणा के बाद उसे दिल्ली के कर्तव्य पथ के पास फुटपाथ पर रख दिया। बजरंग ने कहा कि वह उसे वापस घर लेकर नहीं जाएंगे। बता दें कि बजरंग पुनिया ने बृजभूषण सिंह के करीबी के संजय सिंह के कुश्ती संघ अध्यक्ष बनने पर अपना पद्मश्री लौटाने को कहा था।

पीएम मोदी को बजरंग ने लिखी थी चिट्ठी

बजरंग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर कहा कि मैं अपना पद्मश्री पुरस्कार प्रधानमंत्री को लौटा रहा हूं। उन्होंने लिखा कि समझ नहीं आ रहा था कि कहां जाएं, क्या करें और कैसे जीएं। इतना मान-सम्मान दिया सरकार ने, लोगों ने। क्या इसी सम्मान के बोझ तले दबकर घुटता रहूं।

साक्षी मलिक ने कुश्ती से लिया संन्यास

इससे पहले गुरुवार को कुश्ती संघ के अध्यक्ष के चुनाव के बाद पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास ले लिया। साक्षी के संन्यास के एलान के बाद अब बजरंग ने अपना पद्मश्री वापस लौटाने का फैसला किया है। खास बात है कि बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर पहलवानों के विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे।

बेटियों और बहनों को न्याय नहीं दिला सका- बजरंग

बजरंग पुनिया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जैसा कि मैंने पहले कहा है कि हम अपनी बेटियों और बहनों के लिए लड़ रहे थे। मैं उन्हें न्याय नहीं दिला सका। इसके कारण, मुझे लगता है कि मैं इस सम्मान के लायक नहीं हूं। मैं यहां अपना पुरस्कार लौटाने आया था, हालांकि, मैं नहीं प्रधानमंत्री के साथ नहीं मिल सका, क्योंकि मेरे पास अपॉइंटमेंट नहीं था। पीएम का कार्यक्रम व्यस्त है। इसलिए मैं अपना पुरस्कार पीएम को लिखे पत्र पर रख रहा हूं। मैं यह पदक अपने घर नहीं ले जाऊंगा।

पुलिसकर्मियों ने पत्र और पद्मश्री उठाया

इसके बाद पुलिस कर्मियों ने पत्र और पद्मश्री पदक दोनों उठा लिए। इस दौरान पुनिया ने निराशा व्यक्त की और आरोप लगाया कि सरकार विरोध प्रदर्शन के दौरान पहलवानों से किए गए अपने वादे को निभाने में विफल रही। ध्यान देने वाली बात है कि बजरंग पुनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा था कि वह डब्ल्यूएफआई चुनाव के नतीजों के विरोध स्वरूप अपना पद्मश्री लौटा रहे हैं।

शराब घोटाले में सीएम केजरीवाल को तीसरा समन, ED ने 03 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया

शराब घोटाले मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक फिर से पूछताछ के लिए बुलाया है। जांच एजेंसी ने अरविंद केजरीवाल को 03 जनवरी को पेश होने को कहा है। इससे पहले 21 दिसंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री को ईडी के सामने पेश होने था। हालांकि वह उससे पहले ही 10 दिन के विपश्यना शिविर के लिए रवाना हो गए।

नई दिल्ली। शराब घोटाले मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक फिर से पूछताछ के लिए बुलाया है। प्रवर्तन निदेशालय का दिल्ली के सीएम को शराब घोटाले के मामले में तीसरा समन है। जांच एजेंसी ने अरविंद केजरीवाल को 03 जनवरी को पेश होने को कहा है।

10 दिन के विपश्यना शिविर गए केजरीवाल

इससे पहले 21 दिसंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री को ईडी के सामने पेश होने था। हालांकि, वह उससे पहले ही 10 दिन के विपश्यना शिविर के लिए रवाना हो गए। ईडी के समन का गुरुवार को जवाब देते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये राजनीति से प्रेरित है। मैं हर कानूनी समन मानने को तैयार हूं, लेकिन यह पिछले समन की तरह गैर कानूनी है।

ED ने 03 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया

21 दिसंबर को ईडी के सामने उपस्थित न होने पर एक बार फिर से जांच एजेंसी ने अरविंद केजरीवाल को समन भेजा है। जांच एजेंसी की तरफ से दिल्ली के मुख्यमंत्री को तीसरा समन है। इस बार ईडी ने अरविंद केजरीवाल को 03 जनवरी को पेश होने को कहा है।

आप की लोकप्रियता को रोकने की कोशिश- आतिशी

खास बात है कि अभी तक ईडी के द्वारा भेजे गए दो समन पर अरविंद केजरीवाल उपस्थित नहीं हुए हैं। उधर आम आदमी पार्टी ईडी की जांच को पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता को रोकने का प्रयास करा दे रही है। आतिशी ने गुरुवार को कहा कि ईडी दो साल से इस मामले की जांच कर रही है। भारत के इतिहास में किसी अन्य नीति की इतनी जांच नहीं हुई हैं, जितनी दिल्ली शराब पॉलिसी की हुई है।

उन्होंने दावा किया कि आम आदमी पार्टी के नेताओं से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी के बावजूद ईडी को कोई सबूत नहीं मिला। उन्होंने दावा किया कि दो साल की जांच के बाद भी सीबीआई या ईडी को गलत तरीके से अर्जित धन का एक पैसा भी नहीं मिला।

पत्रकारों से सूत्र पूछने का अधिकार नहीं है-सुप्रीम कोर्ट

परिवहन विशेष। एसडी सेठी। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों पर जमकर निशाना साधा और चेतावनी भी दी। चीफ जस्टिस डीवाई चन्द्रचूड की बेंच ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 19 और 22 के तहत पत्रकारों के मूल अधिकारों की स्वतन्त्रता के खिलाफ पुलिस किसी भी पत्रकार के सूत्र नहीं पूछ सकती है और ना ही न्यायालय। तब-तक कि पत्रकारों के खिलाफ बिना जांच और पुख्ता सबूत के दर्ज मुकदमें और गवाही की जांच नहीं हो जाती है। आजकल देखा जा रहा है कि पुलिस पत्रकारों की स्वतन्त्रता हनन कर रही है।क्योंकि अधिकतर मामले पुलिस खुद को श्रेष्ठ बनाने के लिए ऐसा करती है।जिस संबंध में न्यायालय ने अब अपने कडे रूख दिखाने पर कहा है कि अगर पुलिस ऐसा करती पाई जाती है तो फिर कोर्ट की अवमानना का मुकदमा दर्ज किया जा सकता है।

नरेला के स्मृतिवन में डीडीए ने समस्याओ से मुंह मोडा

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

शहरी ग्रामीण क्षेत्र नरेला स्थित डीडीए के स्मृतिवन में सुबह शाम की सैर करने वाले खासकर बुजुर्गो को उबड-खाबड वॉकिंग बदरपुर ट्रैक से रोज-ब-रोज बुजुर्ग समेत अधिकतर यहां आनेवाले लोग चोटिल हो रहे है।उनका आरोप है कि लापरवाही का ये आलम है कि बुढापे में घुटनों और हाथों में गिरने से छीलन -चोटिल को अब तौंबा करने लगे हैं। कई बार शिकायत करने के बाद भी डीडीए के संबधित अधिकारियों पर कोई फर्क नहीं पड रहा है। उबड-खाबड टूटे हुए पैदल ट्रैक से बचते -बचाते सीमेंट बैंच पर बैठे तो वह भी नशेडियों ने तोड फोड दिए है। यहां आने वाले लोगों का कहना है कि निगरानी के अभाव में नशेडियों ने सीमेंट्स बैंचो को तोडकर इनमें लगे लोहे के सरिये निकाल रहे हैं। इसके अलावा यहां डस्टबीन नहीं होने से कूडा-करकट यहां वहां पडा रहता है। इस बावत नागरिक अधिकार आंदोलन के अध्यक्ष राजवरत आर्य ने कहा कि टूटे फूटे पैदल ट्रैक, के रेनोवेशन, समेत छोटे बच्चों के लिए लगाए गए झूलों की हालत भी जर्जर है। बच्चे झूले तो वह भी उन्हें चोटिल कर

रहा है। यहां के शौचालय की भी हालत बेहद खराब है। वहीं विकलांगों की सहूलियत के लिए स्टेंडिंग सीट लगाने की कई बार गुहार की गई है। इसके अलावा विक्लांगों के चडने लिए सुलभ ढलान वाला फर्श बनाने की भी गुहार की है। नागरिक अधिकार आंदोलन के अध्यक्ष ने बताया कि इन तमाम समस्याओ से निजात दिलाने संबंधी लेटर भी डीडीए के यहां से 30-32 किलोमीटर दूर स्थित केशव पुरम डीडीए हाल्टीकल्चर सिविल डिवीजन -5 के कार्यकारी अभियंता महेश चन्द्र से संगठन का प्रतिनिधि मंडल भी मिल चुका है। उन्हें

बाकायदा लिखित में शिकायत भी दी जा चुकी है। इस बारे में इस संवाददाता द्वारा डीडीए केशव पुरम हाल्टीकल्चर विभाग में जे ई राकेश कुमार से फोन पर बात की, तो उन्होने माना कि संगठन की ओर से स्मृतिवन नरेला की समस्याओ पर एक ज्ञापन मिला है। लेकिन मेरा ट्रांसफर प्लानिंग विभाग मे हो गया है। अब इस बारे में एक्जीक्यूटिव इंजीनियर महेश कुमार ही पूरी जानकारी दे सकते है।

अमरपाल की तैनाती पटपड़गंज औद्योगिक थाने में थी। वहीं दीपक, दल्लुपुरा गांव का रहने वाला है

दिल्ली में फिर जहरीली हुई हवा, कई इलाकों में AQI 400 के पार; इन वाहनों के चलने पर लगी रोक

दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा करने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 24 दिन बाद एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) तीन के आठ सूत्री प्रविधानों और प्रतिबंधों को दोबारा लागू कर दिया है। इस वजह से दिल्ली सहित पूरे एनसीआर में निर्माण कार्य तोड़फोड़ स्टोर क्रशर व हाट मिक्स प्लांट के संचालन का रोक लगा दी गई है।

नईदिल्ली। एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने और दिल्ली में एयर इंडेक्स 400 से अधिक होने के मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की सब-कमेटी की शुक्रवार को आपात बैठक हुई। प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा करने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 24 दिन बाद एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) तीन के आठ सूत्री प्रविधानों और प्रतिबंधों को दोबारा लागू कर दिया है। इस तरह दिल्ली, एनसीआर में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल की कारों पर रोक लग गई है।

इस वजह से दिल्ली सहित पूरे एनसीआर में निर्माण कार्य, तोड़फोड़, स्टोर क्रशर व हाट मिक्स प्लांट के संचालन का रोक लगा दी गई है। आयोग ने निर्माण कार्य पर लगे रोक से बुनियादी सेवाओं और सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं को छूट दी है। इसके अलावा प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, कारपेंटर, फर्निचर, इंटीरियर से संबंधित कार्य किए जा सकेंगे।

इसके अलावा आयोग ने कहा कि यदि दिल्ली और एनसीआर से संबंधित राज्य सरकार चाहें तो पांचवीं कक्षा तक के स्कूलों को बंद कर आनलाइन कक्षा चलाने का फैसला ले सकती हैं। इसका कारण यह है कि एनसीआर में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है।

एयर इंडेक्स में लगातार हो रही बढ़ोतरी

दिल्ली में शुक्रवार सुबह से ही एयर इंडेक्स में लगातार बढ़ोतरी देखी गई। सुबह 10:05 बजे दिल्ली का एयर इंडेक्स 397 था जो दोपहर 01:05 बजे बढ़कर 400, दोपहर दो बजे 402 और शाम छह बजे बढ़कर एयर इंडेक्स 418 पर पहुंच गया। इसलिए आयोग ने दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण की रोकथान से संबंधित एजेंसियों को ग्रेप एक, ग्रेप दो के साथ-साथ ग्रेप तीन के नियमों को भी सख्ती से लागू करने निर्देश दिया है।

ग्रेप के तीसरे चरण में यह प्रतिबंध होंगे लागू

सड़कों की मशीनों और वैक्यूम से सफाई की फ्रिक्वेंसी बढ़ाने का निर्देश।

सड़कों पर व्यस्त समय से पहले पानी का छिड़काव करने का निर्देश। प्रदूषण के चिन्हित हाट स्पाट और व्यस्त सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जाना अत्यंत आवश्यक। सड़कों से उठाए गए धूल का उचित निस्तार किया जाना चाहिए।

सार्वजनिक परिवहन की सुविधाओं को बढ़ाने का निर्देश और गैर व्यस्त समय में यात्रा को प्रोत्साहित ने के लिए व्यस्त और गैर व्यस्त समय का किराया अगल-अलग रखें जाएं।

दिल्ली और एनसीआर के शहरों में निर्माण कार्य व तोड़फोड़ पर रोक। इस प्रतिबंध से रेलवे, मेट्रो सेवाओं से जुड़ी परियोजनाओं, एयरपोर्ट, अंतरराज्यीय बस अड्डों, राष्ट्रीय सुरक्षा, डिफेंस, राष्ट्रीय महत्व से संबंधित परियोजनाओं, अस्पतालों, सड़क, हाईवे, फ्लाईओवर, बिजली आपूर्ति, पानी आपूर्ति और सीवरेज प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं को छूट दी गई है। लेकिन परियोजना स्थलों पर धूल की रोकथाम के लिए पर्याप्त व्यवस्था करनी होगी।

स्टोन क्रशर मशीनों का संचालन बंद किया जाएगा।

माइनिंग व इससे जुड़ी गतिविधियों पर रोक।

दिल्ली के अलावा गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर, फरीदाबाद व गरुग्राम में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल की कारों पर संबंधित राज्य सरकारें रोक लगाएंगी।

दिल्ली और एनसीआर से संबंधित राज्य सरकारें पांचवीं कक्षा तक के छात्रों की कक्षाएं आनलाइन चलाने और स्कूल बंद रखने का फैसला ले सकती हैं।

ये नियम सख्ती से होंगे लागू

निर्माण कार्य के लिए मिट्टी खोदाई व भराई के कार्य पर रोक।

सभी ढांचागत निर्माण और वेल्डिंग पर रोक।

विध्वंस कार्यों पर पूरी तरह रोक।

परियोजना स्थल के भीतर या बाहर निर्माण सामग्री की लोडिंग या ट्रक से निर्माण सामग्री उतारने के कार्य नहीं होंगे।

कच्ची सड़कों पर वाहनों के परिचालन पर रोक।

कंक्रीट, हॉट मिक्स प्लांट के संचालन पर रोक।

टाइल्स को काटने और घिसाई पर रोक, इत्यादि।

ग्रेप के विभिन्न चरणों को लागू करने व हटाने का समय

ग्रेप एक लागू- छह अक्टूबर
ग्रेप दो लागू- 21 अक्टूबर
ग्रेप तीन लागू- दो नवंबर
ग्रेप चार लागू- पांच नवंबर
ग्रेप चार हटाने की तारीख- 18 नवंबर
ग्रेप तीन हटाने की तरीख- 28 नवंबर समाप्त

रोहिणी कोर्ट की हालत देख बिफरीं आतिशी, अधिकारियों को 30 दिसंबर तक कॉन्ट्रैक्ट ड्राफ्ट तैयार करने के दिए निर्देश

कानून और पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने रोहिणी कोर्ट कॉम्प्लेक्स की दयनीय हालत को लेकर नाराजगी जताई है। इस बाबत उन्होंने प्रधान सचिव पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए है कि 30 दिसंबर तक प्रधान सचिव पीडब्ल्यूडी कानून विभाग के प्रधान सचिव के साथ बातचीत कर रोहिणी कोर्ट कॉम्प्लेक्स के लिए विस्तृत मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट का ड्राफ्ट तैयार करें। वह शुक्रवार को कोर्ट का दौरा किया था।

नई दिल्ली। कानून और पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने रोहिणी कोर्ट कॉम्प्लेक्स की दयनीय हालत को लेकर नाराजगी जताई है। इस बाबत उन्होंने प्रधान सचिव पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए है कि 30 दिसंबर तक प्रधान सचिव पीडब्ल्यूडी, कानून विभाग के प्रधान सचिव के साथ बातचीत कर रोहिणी कोर्ट कॉम्प्लेक्स के लिए विस्तृत मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट का ड्राफ्ट तैयार करें।

बता दें कि, रोहिणी कोर्ट कॉम्प्लेक्स में खराब फैसिलिटीज मेंटेनेंस पर जजों और वकीलों से आई रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए कानून मंत्री आतिशी ने रोहिणी कोर्ट परिसर का दौरा किया। इस दौरान कानून मंत्री ने पाया कि कोर्ट परिसर की हालत दयनीय है। पूरी इमारत में सीलन की बड़ी समस्या है और इस कारण दीवारों और छत से पानी रिस रहा है। सीलन के कारण दीवारें नम और गंदी हो गई है और दीवारों से पेंट और सीमेंट उखड़ रहा है।

उन्होंने पाया कि फॉल्स सीलिंग भी खराब हालत में है। उसके कई पैनल गायब है और तार भी लटक रहे है। साथ ही कानून मंत्री ने पाया कि कोर्ट रूम और वकीलों के चैम्बर में उचित रखरखाव का अभाव था। कोर्ट कॉम्प्लेक्स में बिल्डिंग की साफ-सफाई भी एक बड़ा मुद्दा था। यहां शौचालय, विशेषकर महिलाओं के शौचालय गंदी हालत में थे। कानून मंत्री ने इमारत के बेसमेंट का भी निरीक्षण किया, जिसकी हालत बहुत खराब थी। यहां बिजली की फिटिंग गायब थी, सीढ़ियां टूटी हुई थी और वहा अंधेरा था।

कोर्ट की स्थिति देख कानून मंत्री हुई नाराज

कोर्ट परिसर की इस स्थिति को देखकर कानून मंत्री बेहद नाराज हुई। उन्होंने कहा कि रोहिणी कोर्ट कॉम्प्लेक्स का उपयोग बड़ी संख्या में जजों, वकीलों और उनके कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि इन लोगों को यहा अपना काम करने के दौरान किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

चार हेक्टेयर जमीन पर बनी अवैध झुग्गियों पर चला बुलडोजर, दोबारा कब्जा करने पर होगा कार्रवाई

गाजियाबाद के हरित पट्टी में चार हेक्टेयर जमीन पर कब्जा कर बनाई गई दुकानों झुग्गियों को शुक्रवार को नगर निगम के प्रवर्तन दल ने बुलडोजर से तोड़ दिया गया। नगर निगम की टीम ने चेतावनी दी है कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया गया तो संबंधित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। दैनिक जागरण ने जमीन पर कब्जा शीर्षक के साथ इस मामले को प्रमुखता से उठाया।

गाजियाबाद। प्रताप विहार में हरित पट्टी की चार हेक्टेयर जमीन पर कब्जा कर बनाई गई दुकानों, झुग्गियों को शुक्रवार को नगर निगम के प्रवर्तन दल ने बुलडोजर से तोड़ दिया गया। यहां पर जल्द ही पौधों को रोपकर हरित पट्टी को विकसित करने का कार्य किया जाएगा।

दोबारा अतिक्रमण पर होगी कार्रवाई

नगर निगम की टीम ने चेतावनी दी है कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया गया तो संबंधित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। कब्जामुक्त कराई गई हरित पट्टी की जमीन को विकसित करने के लिए उद्यान विभाग की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है।

प्रताप विहार में हरित पट्टी की जमीन को नगर निगम ने दो साल पहले कब्जामुक्त कराया था, उस वक्त हरित पट्टी की न तो चारदीवारी की गई न ही उसके संरक्षण के लिए उचित कदम उठाए गए। इस वजह से दोबारा से उस पर अतिक्रमण कर लिया गया। दैनिक जागरण ने प्रताप विहार में हरित पट्टी की करोड़ों रुपये की जमीन पर कब्जा शीर्षक के साथ इस मामले को प्रमुखता से उठाया।

इसके बाद संपत्ति विभाग के अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने के लिए उद्यान विभाग से पत्र न मिलना भी एक वजह बताई तो हरित पट्टी से कब्जा हटाने के लिए उद्यान विभाग के पत्र का इंतजार शीर्षक से खबर प्रकाशित की। जिस पर अपर नगर आयुक्त अरुण यादव ने संज्ञान लिया और जांच कराई तो मौके पर अवैध निर्माण करने और अतिक्रमण करने की पुष्टि हुई तो अतिक्रमण हटाने की तारीख निश्चित कर विजयनगर के जोनल प्रभारी को अतिक्रमण हटाने के लिए पत्र प्रेषित किया।

30 से अधिक झुग्गियों पर चला बुलडोजर

नगर निगम के प्रवर्तन दल के प्रभारी कर्नल दीपक शरण ने बताया कि शुक्रवार को विजयनगर जोनल प्रभारी विवेक त्रिपाठी और पुलिस की मौजूदगी में नगर निगम की टीम ने मौके पर जाकर बुलडोजर की मदद से अवैध निर्माण और 30 से अधिक झुग्गियों को तोड़ा गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान कुछ लोगों ने विरोध जताया लेकिन उनको समझाकर शांत कर दिया गया।

हरित पट्टी की जमीन को पूरी तरह कब्जामुक्त करा दिया गया है, यदि दोबारा किसी ने उस पर कब्जा किया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। - अरुण यादव, अपर नगर आयुक्त।

कब्जामुक्त कराई गई हरित पट्टी की जमीन को विकसित किया जाएगा, यहां पर पौधे लगाए जाएंगे। जिससे कि प्रदूषण की समस्या कम हो सके।

- डा. अनुज कुमार सिंह, उद्यान प्रभारी।

मेरे राम आए हैं : जब रातों-रात कारसेवकों ने बना दिया था श्रीराम जन्मभूमि पर अस्थायी मंदिर

परिवहन विशेष न्यूज

अपनी यादों की गठरी खोलते हुए पवन जिंदल ने कहा कि जब यूपी में मुलायम सिंह यादव की सरकार थी उस समय आंदोलन के दौरान उन्हें बुलंदशहर में गिरफ्तार कर लिया गया था। चार दिन तक वह जेल में रहे। उनके जैसे हजारों कारसेवकों आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन मनोबल कमजोर नहीं हुआ। सभी के भीतर रामलला को उनकी जगह पर विराजमान करने की आग लगी थी।

गुरुग्राम। छह दिसंबर 1992 की रात का अद्भूत व अकल्पनीय दृश्य आज भी आंखों के सामने ऐसे है जैसे कल की बात हो। कारसेवकों में ऐसा जुनून था कि विवादित ढांचा गिरने के बाद कुछ ही देर में श्रीराम जन्मभूमि पर अस्थायी मंदिर का निर्माण कर दिया गया था।

कारसेवकों की आंखों से निकले खुशी के आंसू

रामलला जैसे ही विराजमान हुए, सभी कारसेवकों की आंखों से खुशी के आंसू निकल आए। काफी कारसेवक तो खुशी से रोने लगे थे। रोते-रोते कारसेवक रामलला की जय हो जय हो का उद्घोष करते रहे। ऐसा लग रहा था जैसे सैकड़ों वर्षों की गुलामी से मुक्ति मिल गई हो।

यह कहते-कहते राम मंदिर आंदोलन में विशेष भूमिका निभाने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन विभाग कार्यवाह (पटियाला, पंजाब) व वर्तमान में हरियाणा के प्रांत संघचालक पवन जिंदल की आंखें भर आईं। जब विवादित ढांचा गिराया जा रहा था तो मौके पर संघ के कुछ प्रमुख पदाधिकारी पूरे देश से मौजूद थे। उनमें से एक पवन जिंदल भी थे।

पवन जिंदल ने खोली यादों की गठरी

अपनी यादों की गठरी खोलते हुए पवन जिंदल ने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की सरकार थी, उस समय आंदोलन के दौरान उन्हें बुलंदशहर में गिरफ्तार कर लिया गया था। चार दिन तक वह जेल में रहे। उनके जैसे हजारों कारसेवकों आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन मनोबल कमजोर नहीं हुआ। सभी के भीतर रामलला को उनकी जगह पर विराजमान करने की आग लगी थी।

आंदोलन धीरे-धीरे तेज होता गया। 1992 के आंदोलन के दौरान वह एक दिसंबर को ही अयोध्या में पहुंच गए थे। छह दिसंबर को कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिराने का मन पूरी तरह बना लिया था। गुंबद पर चढ़ना मुश्किल था। उसके ऊपर काई जमीन थी। इसके बाद काफी स्वयंसेवक ऊपर चढ़ गए थे।

10 हजार पाइप की हुई थी बैरिकेडिंग

विवादित ढांचा तक कोई जा नहीं सके, इसके लिए आसपास लगभग 10 हजार पाइप की बैरिकेडिंग की गई थी। 10 के 10 हजार पाइप कारसेवकों ने उखाड़ दिया था। पाइप उखाड़कर दीवार में चोट मारी गई। इससे पिलर गिरता चला गया। एक-एक घंटे के अंतराल पर तीनों गुंबद गिर गए थे।

गुंबदों के गिरने के दौरान कारसेवकों के शंखनाद से पूरा माहौल राममय हो गया था। सबसे बड़ी बात यह कि जो

श्रीराम मंदिर की जो पुरानी दीवार थी, उसके आगे दीवार बनाकर ऊपर गुंबद बना दिए गए थे। जब दीवार गिरी तो मंदिर से संबंधित जो भी सामान होते हैं वे भी बाहर आ गए। काफी संख्या में मूर्तियां, घंटी, करताल आदि मौके पर मिले थे।

लगभग दो लाख कारसेवक पहुंचे थे अयोध्या

प्रांत संघचालक पवन जिंदल कहते हैं कि अयोध्या जी में कारसेवा करने के लिए लगभग दो लाख कारसेवक पहुंचे थे। विवादित ढांचा गिरने के बाद उनमें से लगभग 10 हजार रुक गए थे। बाकी को उनके घर भेज दिया गया था। 10 हजार कारसेवक 12 दिसंबर तक अयोध्या में ही रहे।

अस्थायी मंदिर का निर्माण तो रातों-रात कर दिया गया था। उसके बाद मंदिर की पूरी व्यवस्था करने में थोड़ा समय लगा था। विवादित ढांचा टूटने के साथ ही लग गया था अब जल्द ही श्रीराम का भव्य मंदिर बनेगा। 491 साल के संघर्ष के बाद रामलला फिर से अपनी जगह पर स्थायी रूप से विराजमान हो रहे हैं।

22 जनवरी को मनाएं दीपोत्सव

22 जनवरी का दिन राष्ट्र गौरव का दिन होगा। हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि श्रीराम मंदिर बनता देख रहे हैं। हजारों लोगों के बलिदान के बाद यह शुभ दिन आया है। सभी लोग 22 जनवरी को दीपोत्सव के रूप में मनाएं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इतनी खुशी हो रही है, जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।

कारसेवक के रूप में भाग लेने से ऐसा महसूस होता है जैसे जीवन सफल हो गया। इतने वर्षों के बाद भी अचानक छह दिसंबर का दृश्य आंखों के सामने जैसे ही आता है, खुशी के आंसू निकल जाते हैं। पूर्व जन्म में कुछ न कुछ अच्छा किया था जो कारसेवक बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

हिंडन में गोवंशी के अवशेष मिलने का आरोप लगा हंगामा, डेढ़ घंटे जाम रहा एनएच-9

परिवहन विशेष न्यूज

हिंडन नदी में गोवंशी अवशेष मिलने पर बृहस्पतिवार को गोरक्षा दल और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने एनएच-नौ पर हिंडन पुल के पास हंगामा कर दिया। कार्यकर्ताओं ने हाईवे पर गोवंशी अवशेष रखकर विरोध जताते हुए आरोपितों को पकड़ने की मांग की। दोपहर करीब 12.45 बजे से 2.15 बजे तक हाईवे पर दिल्ली से गाजियाबाद वाली लेन पर जाम लगा रहा।

गाजियाबाद। हिंडन नदी में गोवंशी अवशेष मिलने पर बृहस्पतिवार को गोरक्षा दल और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने एनएच-नौ पर हिंडन पुल के पास हंगामा कर दिया।

कार्यकर्ताओं ने हाईवे पर गोवंशी अवशेष रखकर विरोध जताते हुए आरोपितों को पकड़ने की मांग की। दोपहर करीब 12.45 बजे से 2.15 बजे तक हाईवे पर दिल्ली से गाजियाबाद वाली लेन पर जाम लगा रहा।

पुलिस ने शीघ्र ठोस कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत किया और मौके से हटाया। यातायात पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्जन कर वाहनों को दूसरे रास्तों से

निकाला।

दोपहर करीब 12 बजे लगाया जाम

गोरक्षा दल और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे एनएच-नौ पर गोवंशी के अवशेष रखकर जाम लगा दिया।

पुलिस को सूचना मिली कि सजवान नगर स्थित हड्डी मिल में खाल उतारने के बाद बचे हुये अवशेष का निस्तारण लापरवाही से किया जाता है और हिंडन नदी में फेंक दिया जाता है। कुछ ही देर में हाईवे पर वाहनों की कतार लग गई। मौके पर जाम लगता देख पुलिस बल भेजा गया।

पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया। काफी प्रयास के बाद करीब दो बजे लोग वहां से हटे। इसके बाद जाम खुलवाया गया। गोरक्षा हिंदू दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेद नागर का कहना है कि पुलिस ने शीघ्र मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

इंदिरापुरम की अंदरुनी सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ा

हिंडन पुल पर जाम लगा होने की वजह से कुछ ही देर में जाम दिल्ली की तरफ बढ़ता गया। यूपी गेट से आने वाले वाहन चालक जाम में फंसने लगे। यातायात पुलिस को जाम की सूचना मिलने पर यूपी गेट से आने वाले ट्रैफिक को गौर ग्रीन कट से इंदिरापुरम होते हुए निकाला गया। इससे बुद्ध चौक की तरफ वाहनों की भीड़ बढ़ गई। नोएडा माडल टाउन अंडरपास से आने वाले यातायात को सीआइएसएफ रोड से निकाला गया। इससे सीआइएसएफ रोड पर भी वाहनों का दबाव बढ़ गया।

डीएमई पर नियमित रहा यातायात

जाम के दौरान डीएमई पर यातायात नियमित चलता रहा। वाहनों का दबाव एनएच-नौ पर दिल्ली से गाजियाबाद वाली लेन पर ही रहा। डीएमई पर दोनों तरफ की लेन पर यातायात चालू रहा।

वाहनों के रुकने से भी थमी रफ्तार

एनएच-नौ पर दिल्ली से गाजियाबाद वाली लेन पर जमा लगा देख हिंडन पुलिस पर गाजियाबाद से दिल्ली जाने वाली लेन पर चलने वाले कई वाहन चालक कुछ देर सड़क पर भीड़ देखकर रुकने लगे। इससे इस लेन पर भी यातायात की गति धीमी हुई, हालांकि इस लेन पर जाम नहीं लगा।

दिल्ली की तरफ से आने वाले वाहनों को गौर ग्रीन कट एवं सीआइएसएफ रोड पर निकाला गया। जाम दोपहर 12.45 बजे से 2.15 बजे तक लगा। उसके बाद यातायात सामान्य हो गया। गाजियाबाद से दिल्ली जाने वाली लेन एवं डीएमई पर यातायात सामान्य रहा।- **वीरेंद्र कुमार, एडीसीपी ट्रैफिक**

हिंडन नदी में मृत जानवरों के अवशेष डालने का आरोप लगाते हुए कुछ संगठनों ने विरोध जताया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर हटाया। मृत जानवर के अवशेष का नमूना लेकर डाक्टरी को बुलाकर परीक्षण के लिए भेजा गया है।- **निमिष पाटिल, एसीपी कोतवाली**

किशोरी को किडनैप करके किया हैवानियत, दोषी को 14 साल कैद

ट्रानिका सिटी थानाक्षेत्र में एक किशोरी स्वजन के साथ रहती है। पांच जनवरी 2023 को वह ट्यूशन पढ़ने जा रही थी। तभी रास्ते में राजा ने उसका अपहरण किया और दोस्त के कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया। देर रात तक बेटी के घर न पहुंचने पर स्वजन ने ट्यूशन पढ़ाने वाली शिक्षिका को फोन किया तो जानकारी हुई कि वह ट्यूशन पढ़ने नहीं पहुंची।

गाजियाबाद। ट्रानिका सिटी थानाक्षेत्र के अपहरण कर किशोरी से दुष्कर्म करने वाले को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट की अदालत ने 14 साल कैद की सजा सुनाई। इस मामले में अदालत ने घटना के 11 माह 17 दिन बाद फैसला सुनाया। अदालत ने दोषी पर 28 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया।

कमरे में ले जाकर किया था दुष्कर्म

विशेष लोक अभियोजक संजीव बखरवा ने बताया कि ट्रानिका सिटी थानाक्षेत्र में एक किशोरी स्वजन के साथ रहती है। पांच जनवरी 2023 को वह ट्यूशन पढ़ने जा रही थी। तभी रास्ते में राजा ने उसका अपहरण किया और दोस्त के कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया।

अगले दिन किशोरी की हुई बरामदगी

देर रात तक बेटी के घर न पहुंचने पर स्वजन ने ट्यूशन पढ़ाने वाली शिक्षिका को फोन किया तो जानकारी हुई कि वह ट्यूशन पढ़ने नहीं पहुंची। इसके बाद किशोरी के स्वजन ने एफआइआर दर्ज कराई। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने अगले दिन किशोरी को ट्रानिका सिटी थानाक्षेत्र से बरामद किया और राजा को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

मामले की सुनवाई उपरोक्त अदालत में चल रही थी। अभियोजन की तरफ से छह गवाह पेश किए गए। पुख्ता साक्ष्यों व गवाहों के बयान के आधार पर अदालत ने राजा को सजा सुनाते हुए जुर्माना भी लगाया।

इंडिया गठबंधन को स्वीकार नहीं राहुल का नेतृत्व

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बीजेपी को सत्ता से बाहर करने की नीयत से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन के गठन के लिए भागदौड़ की थी। नीतीश के प्रयासों के चलते ही बिहार की राजधानी पटना में विपक्षी दलों की पहली बैठक हुई थी।

इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस यानी इंडिया की चौथी बैठक दिल्ली में संपन्न हो गई। इस बैठक से उम्मीद थी कि गठबंधन अपना संयोजक या फिर प्रधानमंत्री पद के चेहरे को लेकर कोई निर्णय ले सकता है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। छह महीने में चार बैठकें करने बावजूद गठबंधन के दल साथ चलने, बीजेपी को हराने की हवा हवाई बातों से ज्यादा कुछ कर नहीं पाए हैं। लेकिन इस बैठक में एक खास बात हुई कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का प्रस्ताव दिया। ममता का समर्थन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किया। हालांकि इस मुद्दे पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका। लेकिन ममता बनर्जी और केजरीवाल ने बड़ी चालाकी से खरगे का नाम आगे करके राहुल गांधी के नेतृत्व को खारिज कर दिया। मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता समझते हुए खरगे ने कहा, पहले जीतें, फिर देखेंगे। इस मसले पर भले ही कोई फैसला नहीं हुआ, लेकिन ममता और केजरीवाल ने राहुल की पीएम पद की दावेदारी को तो डाउन कर दिया।

बीजेपी को सत्ता से बाहर करने की नीयत से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन के गठन के लिए भागदौड़ की थी। नीतीश के प्रयासों के चलते ही बिहार की राजधानी पटना में विपक्षी दलों की पहली बैठक हुई थी। इसके बाद बेंगलुरु और मुंबई में दूसरी और तीसरी बैठक हुई। लगभग छह महीने में गठबंधन की चार बैठकें हुई। पहली बैठक से ही कांग्रेस अपने को ऐसे पेश कर रही थी कि, विपक्षी दल उसके प्रयासों से एकजुट हुए हैं। कांग्रेस ने हर बैठक में अपना हाथ और एजेंडा ऊपर रखा। कांग्रेस ने ऐसे प्रोजेक्ट किया कि इस गठबंधन को लीड करेगी और राहुल गांधी गठबंधन की ओर से प्रधानमंत्री का चेहरा होंगे। गठबंधन में शामिल कई दल राहुल गांधी के चेहरे और नाम पर सहमत नहीं थे। वो स्वयं को प्रधानमंत्री पद का सशक्त दावेदार समझते हैं। कर्नाटक में शानदार जीत के बाद कांग्रेस का उत्साह सातवें आसमान पर था। 13 मई को कर्नाटक चुनाव नतीजों के ठीक एक महीना दस दिन बाद यानी 23 जून को विपक्षी गठबंधन की पहली बैठक हुई। पहली बैठक में ही संयोजक, सीट शेयरिंग आदि मुद्दों पर सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। विपक्षी पार्टियों के नेताओं की दूसरी बैठक जुलाई को बेंगलुरु में हुई थी जहां गठबंधन का नाम इंडिया गठबंधन होगा, इस बात का ऐलान किया गया था। गठबंधन की तीसरी बैठक शिवसेना की मेजबानी में इस साल 31 अगस्त और 1 सितंबर को मुंबई में हुई थी। इस बैठक में गठबंधन की कोआर्डिनेशन कमेटी का गठन हुआ था। कोऑर्डिनेशन कमेटी की भी एक बैठक हुई थी। हालांकि, वह बैठक पांच राज्यों के चुनाव कार्यक्रम के ऐलान से पहले हुई थी।

इन तीन बैठकों में कांग्रेस जानबूझकर सीट शेयरिंग और संयोजक के नाम के अहम मुद्दे का टालती रही। कांग्रेस की मंशा यह थी कि पांच राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव के बाद इन मसलों पर बात की जाएगी। असल में कांग्रेस को पूरी उम्मीद थी कि कर्नाटक की भारी जीत और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से उसके पक्ष में माहौल बना हुआ है, और वो इन राज्यों में शानदार जीत हासिल करेगी। विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उसका पलड़ा भारी होगा और वो अपने शर्तों के हिसाब से गठबंधन में शामिल दलों से तमाम मुद्दों पर तोल-मोल कर सकेगी। लेकिन कांग्रेस की चालाकी, रणनीति और हथकंडे फेल साबित हुए। और हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ से उसका सफाया हो गया। तेलंगाना में कांग्रेस को जीत तो मिली लेकिन तीन राज्यों की हार ने इस जीत का मजा किरकिरा कर दिया।

बीती 3 दिसंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा हुई। उसी दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 6 दिसंबर को इंडी अलायंस की बैठक की चौथी बैठक की घोषणा की। लेकिन ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, नीतीश कुमार ने कोई न कोई बहाना लगाकर बैठक में आने से इंकार कर दिया। असल में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल दलों समाजवादी पार्टी, जनता दल यूनाइटेड, राष्ट्रीय लोकदल में सीटों के बंटवारे को लेकर तनातनी हुई थी। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेताओं के बीच शर्मनाक बयानबाजी खूब चर्चा में रही थी। कांग्रेस के इस व्यवहार से घटक दलों में रोष व्याप्त था। इसलिये 6 दिसंबर

की बैठक को कांग्रेस को टालना पड़ा था।

विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस भी सातवें आसमान से सीधे जमीन पर आ गिरी। चुनाव नतीजों के बाद से ही उसके तेवर ढीले हैं। अब वो घटक दलों के साथ सहयोग और साथ चलने की कसमें खा रही है, लेकिन उसके रवैये से घटक दल चौकन्ने हैं। वो कांग्रेस के साथ चलना चाहते हैं लेकिन अपनी शर्तों के आधार पर। चूंकि गठबंधन में शामिल हर दल का नेता स्वयं को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार मानता है, ऐसे में संयोजक और प्रधानमंत्री के चेहरे पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो पा रहा है।

खरगे के नाम का समर्थन करने का सीधा मतलब है राहुल के नाम और चेहरे को खारिज करना। कांग्रेस भी सारी कहानी को बखूबी समझ रही है। लेकिन विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद उसमें उतना दम नहीं बचा कि वो गठबंधन में शामिल दलों पर प्रेशर बना सके। चूंकि कांग्रेस का मतलब गांधी परिवार ही है तो ऐसे में गठबंधन के दलों ने खरगे का नाम का प्रस्ताव करके सीधेतौर पर गांधी परिवार को ही खारिज किया है। रही बात सीट शेयरिंग की तो वो बड़ा पेचीदा मसला है। यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल, पंजाब और दिल्ली में क्रमशः 80, 40, 42, 13 और 7 कुल मिलाकर 182 संसदीय सीटें आती हैं। यूपी में समाजवादी पार्टी, बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड, पंजाब और दिल्ली में आम आदमी पार्टी और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का प्रभाव है। सपा और तृणमूल कांग्रेस अपने राज्यों में कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने के मूड में नहीं हैं। क्षेत्रीय दल अपने प्रभाव क्षेत्र में किसी दूसरे दल पांव पसारने का मौका नहीं देना चाहते हैं। कर्नाटक और तेलंगाना में मुस्लिम वोटरों के कांग्रेस के प्रति झुकाव को देखते हुए ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव काफी चौकन्ने हो गए हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि गठबंधन की चौथी बैठक में राहुल गांधी को लेकर इंडिया गठबंधन की असहजता अब खुलकर सामने आने लगी है। इंडिया गठबंधन के भीतर यह बात बेहद चर्चा में है कि राहुल गांधी की वजह से मुद्दों में भटकाव होता है और बीजेपी को फायदा पहुंचता है। हालिया विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जनता को मुफ्त योजनाओं का लालच दिया, जाति जनगणना का वादा किया, अदानी का मुद्दा उठाया, सीधे तौर पर प्रधानमंत्री मोदी पर हमला किया, लेकिन हिंदी पट्टी के जिन तीन राज्यों में कांग्रेस और भाजपा की सीधी टक्कर थी, वहां नतीजे उसके पक्ष में नहीं गये। जनता ने राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा और कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया। जनता को कांग्रेस के वादों से ज्यादा पीएम मोदी की गारंटी पर ज्यादा भरोसा जताया। पिछले दो दशकों के राजनीतिक करियर में राहुल गांधी के बायोडाटा में सफलता से ज्यादा असफलता की कहानियां दर्ज हैं। अधिकांष देशवासी राहुल को गंभीर और सकारात्मक सोच वाला नेता नहीं मानते। नतीजतन प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी पीएम मोदी के सामने कमजोर उम्मीदवार दिखाई देते हैं।

शरद पवार, नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे और इंडी अलायंस में शामिल लगभग हर नेता प्रधानमंत्री बनने का सपना देखता है। चूंकि कांग्रेस समेत गठबंधन में शामिल किसी दल की अपने बलबूते बीजेपी से मुकाबला करने की ताकत नहीं है। इसलिए मजबूरी में ये सभी दल एक बैनर तले इकट्ठे हुए हैं। खरगे के बयान के बाद यह तो तय हो ही गया है कि गठबंधन किसी का नाम पीएम के तौर पर घोषित नहीं करेगा। मतलब गठबंधन के सभी दलों के नेता लोकसभा चुनाव के नतीजों के ऐलान तक प्रधानमंत्री बनने का सपना देख सकते हैं।

दिखने में लग्जरी और फीचर्स में शानदार ह्युंडई की ये शानदार कार, कीमत 10.96 लाख रुपये से शुरू

क्या आप भी अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं जो दिखने में भी लग्जरी होआज हम आपको इस खबर के माध्यम से एक ऐसी ही कार के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए देखते हैं इसमें क्या कुछ खास है। मौजूद लग्जरी और शानदार कार Hyundai Verna है। इस कार में आपको दो इंजन का ऑप्शन मिलता है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में एक से बढ़कर एक दमदार कारें मौजूद है। हर कोई अपने लिए जब एक नई कार लेने जाता है तो सबसे पहले यहीं सोचता है कि हमारी कार ऐसी हो जब वो रोड़ पर चले तो लोग देखते ही रह जाएं। क्या आप भी अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं जो दिखने में भी लग्जरी हो और आपको बैठकर उसमें काफी प्रीमियम महसूस हो। आज हम आपको इस खबर के माध्यम से एक ऐसी ही कार के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए देखते हैं इसमें क्या कुछ खास है।

Hyundai Verna इंजन

हम बात भारतीय बाजार में मौजूद लग्जरी और शानदार कार Hyundai Verna की कर रहे हैं। इस कार में आपको दो इंजन का ऑप्शन मिलता है। एक 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन मिलता है। जो 115 बीएचपी की पावर और 144 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। ये इंजन मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के ऑप्शन के साथ आती है। दूसरा इसमें 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलता है। जो 160 बीएचपी की पावर और 253 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन केवल ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है। ये कार माइलेज 20 से 24 किलोमीटर प्रति लीटर का देती है।

Hyundai Verna सेफ्टी फीचर्स

इस कार में सेफ्टी फीचर्स का भी खास ख्याल रखा गया है। 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ESC),एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (ABS) के साथ इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक-फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन (EBD),रिवर्स पार्किंग सेंसर,ऑटो हेडलैंप,आइसोफिक्स,टाइमर के साथ रियर डिफॉगर,इम्पैक्ट सेंसिंग डोर अनलॉक,हाइट एडजस्टमेंट ड्राइवर सीट मिलता है। इसके साथ ही इसमें हाई ट्रिम्स में हिल स्टार्ट असिस्ट कंट्रोल, व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, फ्रंट पार्किंग सेंसर, गाइडलाइन्स के साथ रियर पार्किंग कैमरा, टॉप वेरिएंट में एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम (ADAS) भी मिलता है।

Hyundai Verna इंटीरियर

वहीं कार के इंटीरियर में 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और एक डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले के साथ एक डुअल स्क्रीन सेटअप भी मिलता है। इसमें आठ स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, सिंगल-पैन सनरूफ, एयर प्यूरिफायर, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, इंफोटेनमेंट और एसी के लिए स्विचेबल कंट्रोल, 64 कलर एम्बिएंट लाइटिंग मिलती है।

Hyundai Verna कीमत

भारतीय बाजार में मौजूद इस कार की कीमत ₹10.96 लाख रुपये है जो ₹17.38 लाख एक्स-शोरूम तक जाती है। ये कार कुल 14 वेरिएंट में आती है।

आने वाले दिनों में लॉन्च होंगी ये शानदार बाइक्स, एप्रीला से लेकर यामाहा तक शामिल

2023 in India आने वाले दिनों में कई दमदार बाइक्स भी लॉन्च होने वाली है। इटली की वाहन निर्माता कंपनी Aprilia दिसंबर के महीने में अपनी दमदार बाइक को लॉन्च कर सकती है। इस मोटरसाइकिल को वाहन निर्माता कंपनी ने भारत में हुए Motogp के दौरान अनवील किया था। Kawasaki Eliminator 450 बाइक इस महीने के अंत में लॉन्च हो सकती है।

नई दिल्ली। Upcoming Bikes in December 2023 in India: भारतीय बाजार में टू-व्हीलर की डिमांड दिन पर दिन काफी तेजी से बढ़ते जा रही है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, आने वाले दिनों में कई दमदार बाइक्स भी लॉन्च होने वाली है। अगर आप अपने लिए एक नई बाइक खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो ये खबर आपके काम आने वाली है। चलिए आपको इन बाइक्स के बारे में बताते हैं।

Aprilia RS 457

इटली की वाहन निर्माता कंपनी Aprilia दिसंबर के महीने में अपनी दमदार बाइक को लॉन्च कर सकती है। इस मोटरसाइकिल को वाहन निर्माता कंपनी ने भारत में हुए Motogp के दौरान अनवील किया था और अब ये इस महीने ही लॉन्च हो सकती है। इस बाइक में 457 सीसी का इंजन मिलता है। ये एक सुपर बाइक है। इसमें लिक्विड कूल्ड ट्विन सिलेंडर इंजन मिलेगा। जो 35 किलो वाट की पावर जनरेट करेगी।

Kawasaki Eliminator 450

ये बाइक इस महीने के अंत में लॉन्च हो सकती है। इस मोटरसाइकिल में 451 सीसी का इंजन मिलता है। वहीं इस बाइक को इस साल की शुरुआत में ही ग्लोबल स्तर पर लॉन्च किया गया था। अब ये भारत में भी लॉन्च हो सकती है। ये एक क्रूजर बाइक है। आपको बता दें, इसे कंपनी इंडिया बाइक वीक 2023 में लॉन्च कर सकती है।

Yamaha R3

Yamaha R3 एक दमदार और पॉपुलर बाइक में से एक है। इस बाइक को वाहन निर्माता कंपनी इसी साल लॉन्च कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये बाइक 15 दिसंबर को लॉन्च हो सकती है। इसमें 321 सीसी का पावरफुल ट्विन मोटर इंजन मिलता है।

Yamaha MT-03

यामाहा अपनी इस सीरीज को भारत में लॉन्च करेगी। इस बाइक को साल के अंत में लॉन्च किया जा सकता है। इस मोटरसाइकिल की शुरुआती कीमत 3 लाख रुपये के आस-पास हो सकती है। इस बाइक के फ्रंट और रियर में डिस्क ब्रेक मिलेगा। इसमें 14 लीटर का फ्यूल टैंक मिल सकता है। इस बाइक का वजन 169 किलोग्राम होगा।

महिंद्रा स्कॉरपियो-N के डीजल वेरिएंट में ऐसा क्या कुछ खास की बढ़ी सेल, कीमत 13.26 लाख रुपये से शुरू

Mahindra Scorpio N total sale November 2023 Mahindra Scorpio-N के डीजल वेरिएंट के फीचर्स और इंजन के बारे में बताने जा रहे हैं कि आखिर किन कारण से ये लोगों के बीच इतनी लोकप्रिय है। इस कार के माइलेज की बात करें तो इसके ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेट्रोल की माइलेज 10.14 किमी प्रति लीटर है जबकि डीजल वेरिएंट का माइलेज 12.73 किमी प्रति लीटर है।

नई दिल्ली। इंडियन मार्केट में महिंद्रा कई दमदार एसयूवी को लॉन्च कर चुकी है। मार्केट में इसकी सबसे लोकप्रिय एसयूवी में से एक Mahindra Scorpio-N है। इस कार की डिमांड काफी अधिक है। हालांकि लोगों के इसके पेट्रोल से अधिक डीजल वेरिएंट पसंद आ रहा है। आज हम आपको इस खबर के माध्यम से Mahindra Scorpio-N के डीजल वेरिएंट के फीचर्स और इंजन के बारे में बताने जा रहे हैं कि आखिर किन कारण से ये लोगों के बीच इतनी लोकप्रिय है।

Mahindra Scorpio-N

इस कार के माइलेज की बात करें तो इसके ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेट्रोल की माइलेज 10.14 किमी प्रति लीटर है, जबकि डीजल वेरिएंट का माइलेज 12.73 किमी प्रति लीटर है। वहीं माइलेज के अलावा इस कार के डीजल वेरिएंट से आप आराम से यात्रा कर सकते हैं। पेट्रोल के मुकाबले डीजल वेरिएंट अधिक टॉर्क जनरेट करता है। इस कार की रीसेल वैल्यू भी काफी अच्छी है। ऑफ रोडिंग के लिए इसे अधिक पसंद किया जाता है। ये 4X4 ऑप्शन के साथ आती है।

Mahindra Scorpio-N कीमत

भारतीय बाजार में Mahindra Scorpio-N की एक्स शोरूम कीमत 13.26 लाख रुपये से 24.54 लाख रुपये के बीच है। इस एसयूवी में 6 और 7 सीटर का ऑप्शन मिलता है। इसमें 2.2 लीटर डीजल इंजन का ऑप्शन भी मिलता है। जो 132 पीएस/300 एनएम और 175 पीएस (370 एनएम और 400 एनएम) से लैस है।

Mahindra Scorpio-N इंजन और पावर

इसके अलावा इस एसयूवी में 2 लीटर का टर्बो इंजन मिलता है। जो 203 पीएस की पावर और 380 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 2WD (टू व्हील ड्राइव) 4WD (फोर व्हील ड्राइव) तकनीक के साथ 6-स्पीड मैनुअल/6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का भी ऑप्शन मिलता है।

Mahindra Scorpio-N फीचर्स

इस कार में फीचर्स के तौर पर 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, क्रूज़ कंट्रोल, फ्रंट और रियर कैमरा, वायरलेस फोन चार्जिंग,6 एयरबैग, एबीएस (एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम), टीपीएमएस (टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम) मिलता है।

संसद की सुरक्षा में सेंध और विपक्ष

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

पिछले दिनों सुरक्षा को भेदकर दो युवक संसद के अंदर पहुंच गए और वहां नारे लगाने लगे और किसी कैन से पीला धुआं भी छोडने लगे। वे अध्यक्ष के आसन की ओर बढ़ रहे थे कि दो सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया।

अपना रोष प्रकट करने के लिए उस वक्त युवाओं ने जहाज हाईजैक करने का रास्ता चुना था और अब युवा संसद के अंदर आकर धुआं फैला रहे हैं। इसमें सुरक्षा को खतरा कहां है? वैसे केवल रिकार्ड के लिए जहाज हाईजैक करने वाले 'निराश युवाओं' को कांग्रेस ने ईनाम भी दिया था। दोनों को कांग्रेस ने अपनी टिकट पर चुनाव लड़वाया। देवेंद्र नाथ पांडेय को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महासचिव का पद दिया गया। बलिया के रहने वाले भोलानाथ पांडेय को यूथ कांग्रेस में महासचिव और कांग्रेस पार्टी में सचिव बनाया गया। सुरक्षा में इस सेंध की जब पूरी तरह जांच हो जाएगी तो निश्चय ही सारा सच सामने आएगा, और हो सकता है कुछ वे चेहरे भी बेनकाब हो जाएं जो सबसे ज्यादा हल्ला मचा रहे हैं। अगर संसद में कुछ अशुभ हो जाता, कुछ हिंसक हो जाता, तो उसके परिणाम सभी दलों को भुगतने पड़ सकते थे। इसलिए यह सीधा-सीधा संसद की सुरक्षा का मामला है, इस मामले में गहन जांच होनी चाहिए तथा दोषी पाए जाने पर कार्रवाई भी की जानी चाहिए। वहीं सरकार को यह आश्वासन भी जनता को देना है कि संसद सुरक्षित है'

पिछले दिनों सुरक्षा को भेदकर दो युवक संसद के अंदर पहुंच गए और वहां नारे लगाने लगे और किसी कैन से पीला धुआं भी छोडने लगे। वे अध्यक्ष के आसन की ओर बढ़ रहे थे कि दो सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया। जिस समय वे संसद में नारे लगा रहे थे उसी समय उनके दो साथी संसद के बाहर नारे लगा रहे थे और धुआं भी फैला रहे थे। एक तीसरा शख्स इस सारे घटनाक्रम की वीडियो बना रहा था। अलबत्ता संसद के अंदर और संसद के बाहर हल्ला कर रहे इन चारों लोगों के टैलीफोन भी वीडियो बना रहे इस पांचवें शख्स ने ही संभाल रखे थे। वीडियो बना कर और उसे सोशल मीडिया पर डालकर पांचवां शख्स गायब हो गया और उसने ये सभी टैलीफोन जला दिए। इस कड़ी से जुड़े हुए सभी व्यक्ति देश के अलग-अलग प्रांतों के रहने वाले थे। कर्नाटक, हरियाणा, बंगाल और उत्तर प्रदेश। कहा जा रहा है कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से ही एक-दूसरे से परिचित थे। वैसे वे देश में जहां भी कोई आंदोलन होता था, चाहे आंदोलन का मकसद कुछ भी हो, ये वहां भी शामिल होते थे। एक प्रकार से ये चिर आंदोलनजीवी थे। लेकिन यह सचमुच सुरक्षा व्यवस्था का गंभीर मामला था। इसकी जांच जरूरी थी ताकि इस पूरे षड्यंत्र के पीछे के सूत्रधारों तक पहुंचा जा सके। यह किसी पार्टी या व्यक्ति का मसला नहीं था, बल्कि देश की सुरक्षा का प्रश्न है। लगता था

देश की सुरक्षा के इस मसले पर पक्ष-विपक्ष एक स्वर से बोलेंगे, लेकिन आश्चर्य कि एक-दो दिन बाद ही सुरक्षा के इस मसले पर भी राजनीति होने लगी। शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राऊत ने कहा कि दो-चार लडक़े महंगाई और बेरोजगारी के बारे में नारे लगाते हुए संसद के अंदर चले गए।

देश के युवाओं की दिशा बदल रही है, वे निराश हैं। इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। सरकार किस तरह जिम्मेदार है, इसका खुलासा भी उन्होंने किया कि जिस समय लडक़े निराश होकर संसद के अंदर घुस रहे थे उस समय सरकार सभी राज्यों में शपथ ग्रहण समारोह में व्यस्त थी। देश की सुरक्षा से खिलवाड़ हुआ है और यह कोई बर्दाश्त नहीं करेगा। संजय राऊत की चिंता जायज है। देश की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं हो सकता। लेकिन उन्होंने इस पूरी घटना की व्याख्या बहुत ही चालाकी से, सुरक्षा से हटा कर महंगाई और बेरोजगारी से जोडक़र कर दी। उनके अनुसार महंगाई और बेरोजगारी से निराश होकर अब देश का युवा आंदोलन का यह रास्ता अपना रहा है। यानी संसद के अंदर घुस कर नारे लगाना, धुआं फैलाना व पटाखे चलाना भी महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ आंदोलन का हिस्सा ही है। संजय राऊत को सुन कर यह लगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मसले का कोई इतना सरलीकरण कैसे कर सकता है। यकीनन यह संजय राऊत का अपना व्यक्तिगत मत हो सकता है, पूरे विपक्ष का नहीं, चाहे उद्धव गुट की शिव सेना भी इंडी गठबंधन के भीतर ही है। लेकिन जल्दी ही संकेत मिलने शुरू हुए, संजय राऊत राष्ट्रीय सुरक्षा के इस गंभीर मसले पर इंडी गठबंधन का मत ही व्यक्त कर रहे थे। संजय राऊत के इस बयान के बाद राहुल गांधी प्रकट हुए। उन्होंने संजय राऊत की व्याख्या को आगे बढ़ाया। उन्होंने लगभग सभी आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि यह मसला देश में बढ़ रही महंगाई व बेरोजगारी से जुड़ा हुआ है। इसीलिए इस प्रकार के कांड हो रहे हैं। राहुल गांधी का अभिप्राय साफ था कि देश में महंगाई व बेरोजगारी बढ़ रही है, इसलिए युवा संसद के अंदर घुस आए हैं ताकि सरकार का ध्यान महंगाई और बेरोजगारी की ओर आकर्षित किया जा सके। राहुल गांधी की व्याख्या इसलिए चिंताजनक है क्योंकि इस कांड की जांच अभी प्रारम्भिक दौर में है। लेकिन जांच शुरू होने से पहले ही कांग्रेस देश के लोगों को समझा रही है कि मामले को तूल दिया जा रहा है। इस मामले की जड़ तो महंगाई और बेरोजगारी में है। सरकार महंगाई और बेरोजगारी से न लड कर, युवा पीढ़ी को पकड़ रही है। निराश युवा संसद के अंदर नहीं घुसेगा तो और क्या करेगा? कांग्रेस की यह सोच चिंताजनक ही नहीं, देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा है। वैसे कांग्रेस के इतिहास में 'निराशा में इस प्रकार के कांड' उसकी परम्परा रही है। 1978 में जब इंदिरा गांधी को गिरफ्तार किया गया था तो उसके दो 'युवा' कार्यकर्ताओं ने इंडियन एयरलाइंस के लखनऊ से दिल्ली जाने वाले जहाज को हाईजैक कर लिया था। उनकी मांग थी कि इंदिरा गांधी को रिहा किया जाए और उन पर से सभी मुकद्मे हटा लिए जाएं। राहुल गांधी के बयान से तो लगता है कि उस वक्त युवा इसलिए निराश हो गए थे कि इंदिरा गांधी को गिरफ्तार क्यों किया गया है और अब युवा इसलिए निराश हैं कि सरकार महंगाई और बेरोजगारी को समाप्त क्यों नहीं कर पा रही है।

अपना रोष प्रकट करने के लिए उस वक्त युवाओं ने जहाज हाईजैक करने का रास्ता चुना था और अब युवा संसद के अंदर आकर धुआं फैला रहे हैं। इसमें सुरक्षा को खतरा कहां है? वैसे केवल रिकार्ड के लिए जहाज हाईजैक करने वाले 'निराश युवाओं' को कांग्रेस ने ईनाम भी दिया था। दोनों को कांग्रेस ने अपनी टिकट पर चुनाव लड़वाया। देवेंद्र नाथ पांडेय को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महासचिव का पद दिया गया। बलिया के रहने वाले भोलानाथ पांडेय को यूथ कांग्रेस में महासचिव और कांग्रेस पार्टी में सचिव बनाया गया। सुरक्षा में इस सेंध की जब पूरी तरह जांच हो जाएगी तो निश्चय ही सारा सच सामने आएगा, और हो सकता है कुछ वे चेहरे भी बेनकाब हो जाएं जो सबसे ज्यादा हल्ला मचा रहे हैं। अगर संसद में कुछ अशुभ हो जाता, कुछ हिंसक हो जाता, तो उसके परिणाम सभी दलों को भुगतने पड़ सकते थे। इसलिए यह सीधा-सीधा संसद की सुरक्षा का मामला है, इस मामले में गहन जांच होनी चाहिए तथा दोषी पाए जाने पर कार्रवाई भी की जानी चाहिए। वहीं सरकार को यह आश्वासन भी जनता को देना है कि संसद सुरक्षित है।

संपादक की कलम से

उपराष्ट्रपति की मिमिक्री

संसद परिसर में ही उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के सार्वजनिक अपमान पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कहना पड़ा कि यह 'अशोभनीय आचरण' है। राष्ट्रपति व्यथित हुईं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पीड़ा साझा की कि वह 20 साल से ऐसा ही अपमानजनक व्यवहार झेल रहे हैं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला उपराष्ट्रपति से मुलाकात करने गए और सांसदों के आपत्तिजनक व्यवहार पर गहरी चिंता जताई। उपराष्ट्रपति के अपमान पर देश भर से क्या प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, वे सुर्खियां बनी हैं। भारत की 'संवैधानिक त्रिमूर्ति' को संसद परिसर में ही क्षोभ जताना पड़ा है। यह लोकतंत्र और संविधान का भी अपमान है। संसद परिसर किसी विदूषक, कॉमेडियन, जोकर या नकलची का मंच नहीं है। बेशक संसद के दोनों सदनों से 143 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है। सांसद संसद के प्रवेश-द्वार पर बैठे हैं। वे संसद भवन से विजय चौक या राष्ट्रपति भवन तक मार्च निकाल सकते थे अथवा जंतर-मंतर पर मॉक संसद का आयोजन कर अपना विरोध जता सकते थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति धनखड़ के हाव-भाव और भंगिमाओं की नकल कर उनका मजाक उड़ाया। क्या सांसद के नाते यही संस्कार और आचार-संहिता सीखी है उन्होंने? कल्याण भी विदूषक या जोकर नहीं हैं, जो नकल करने की कला पर निलंबित सांसदों को हंसा रहे थे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी उस 'मिमिक्री' का वीडियो बना रहे थे। क्या उन्हें 'संवैधानिक चेहरे' की खिल्ली उड़ाने में सुख मिलता है? यह देश का भी अपमान है। राहुल गांधी भी उपराष्ट्रपति के अपमान में शामिल दिखे। चूंकि मोदी सरकार अडाणी समूह, बेरोजगारी, महंगाई सरीखे महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर सरोकार नहीं जता रही है, तो इसके मायने ये नहीं हो सकते कि राज्यसभा के सभापति को सरेआम बेइज्जत करें।

आखिर इस मजाक और अपमान के तर्क क्या हैं? उपराष्ट्रपति देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है। जगदीप धनखड़ निर्वाचित होकर पदासीन हुए हैं। कल्याण बनर्जी कुछ भी सफाई दें, लेकिन राज्यसभा के सभापति के प्रति उनका आक्रोश, उनकी खीझ और नफरत ही अभिव्यक्त हुई हैं। संसद परिसर में यह व्यवहार अक्षम्य है। संभव है कि राज्यसभा के निलंबित सांसद, सभापति के फैसले से, असहमत और असंतुष्ट हों! ज्यादातर सांसद लोकसभा से निलंबित किए गए हैं। हमने ऐसी कार्रवाई का विश्लेषण किया था और इन्हें 'कठोरतम कर्रवाई' करार दिया था। ऐसी कार्रवाई की जाएंगी, तो संसद विपक्ष-मुक्त होने लगेगी। यह भी संवैधानिक स्थिति नहीं है, लेकिन इन पीठासीन अध्यक्षों के फैसलों के बदले में संवैधानिक चेहरों का अपमान भी बिल्कुल अस्वीकार्य है। हमें याद नहीं आता कि ऐसा सार्वजनिक अपमान संसद परिसर में पहले कभी किया गया हो! बहरहाल अब इस अपमान की सार्वजनिक प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। जाट समाज की खाप के प्रधान जगदीप सेहरावत ने कहा है कि यह उपराष्ट्रपति ही नहीं, देश के किसानों का भी अपमान है। खाप ने माफी मांगने का आग्रह किया है। अन्यथा किसान और जाट मिलकर तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। सर्वोच्च अदालत के अधिवक्ता विनीत जिंदल ने विवादास्पद सांसदों के खिलाफ लोकसभा और राज्यसभा की आचार समितियों में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कल्याण, राहुल और अन्य सांसदों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। यह संसद में जातीयता का मुद्दा नहीं है, लेकिन उपराष्ट्रपति के पद और सदन के संरक्षक की गरिमा को कैसे गिराया जा सकता है? यदि भाजपा ने जाट और किसान अपमान का भी मुद्दा बना लिया, तो गौरतलब है कि देश भर में 9 करोड़ से अधिक, करीब 6.5 फीसदी आबादी, जाट हैं। हरियाणा में उनकी आबादी 27 फीसदी के करीब है, जबकि पंजाब में 25 फीसदी, राजस्थान में 14 फीसदी, दिल्ली-पश्चिमी उप्र में 10-10 फीसदी के करीब आबादी है। जाटों ने दिल्ली में महापंचायत भी बुलाई है।

राय

संसद सुरक्षा धुआं-धुआं

संसद पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी के दिन ही संसद पर एक और प्रहार किया गया। देश 13 दिसंबर, 2001 का दिन नहीं भूला होगा, जब पाकपरस्त आतंकियों ने संसद के परिसर में घुसकर हमला किया था और हमारे 14 सुरक्षाकर्मी जवान 'शहीद' हुए थे। आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया था। उसके बाद सुरक्षा-व्यवस्था में जो बदलाव किए गए, उनके मद्देनजर अक्सर दावा किया गया कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता। हमारी गालबजाई तब खोखली साबित हुई, जब 13 दिसंबर, 2023 को लोकसभा में 'शून्य काल' की कार्यवाही चल रही थी। अचानक दो युवकों ने 'दर्शक-दीर्घा' से छलांग लगा दी। कूदने के बाद एक युवक सांसदों की सीटें फांदता रहा और सदन में दहशत फैल गई। अफरातफरी मच गई। सांसद 'पकड़ो-पकड़ो' चिल्लाने लगे। अचानक एक युवक ने अपना जूता खोला और किसी 'स्मोक क्रैकर' का इस्तेमाल किया, नतीजतन लोकसभा में 'पीला-सा धुआं' फैलने लगा। जब तक मार्शल या सुरक्षाकर्मी आते, तब तक सांसदों ने उन घुसपैठियों को घेर कर धर दबोचा और पिटाई की। बेशक यह आतंकी हमला नहीं था, लेकिन युवकों के मंसूबे कमतर भी नहीं थे। यह प्रहार कुछ भी साबित हो सकता था। शुक्र है कि सदन में उस समय प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री आदि मौजूद नहीं थे, लेकिन सांसदों की मौजूदगी अच्छी-खासी थी। पीला धुआं फैला कर युवक एक निश्चित संदेश देना चाहते थे कि संसद के भीतर घुसकर भी हमला किया जा सकता है!

बेशक धुआं खतरनाक, जहरीला नहीं था, लेकिन इस तरह किसी रासायनिक द्रव्य का भी इस्तेमाल किया जा सकता था, क्योंकि यह रासायनिक अस्त्रों का दौर है! जूते में छोटा-सा बम भी छिपा कर संसद के भीतर लाया जा सकता था! ऐसे ही स्मोक बम और स्मोक ग्रेनेड भी होते हैं। कल्पना कीजिए कि 2001 के आतंकी हमले के दौरान करीब 250 सांसद दोनों सदनों में थे। यदि आतंकी अपने हथियारों के संग सदनों के भीतर घुसने में कामयाब हो जाते, तो अंजाम क्या हो सकता था? इसी तरह युवकों द्वारा छोड़ा गया 'पीला धुआं' घातक और विषैला होता, तो कितना बड़ा हादसा हो सकता था! यह सिर्फ सुरक्षा संबंधी गंभीर चूक नहीं है, बल्कि हमारे देश पर प्रतीकात्मक प्रहार भी है। खुफियागीरी भी नाकाम रही है। सुरक्षा बंदोबस्त और जांच-पड़ताल में दरारें हैं, जो युवकों के जूतों में रखा गया 'स्मोक क्रैकर' या स्प्रे जैसा उपकरण सुरक्षा स्कैनिंग के रडार पर नहीं आया। संसद के भीतर जाना बिल्कुल भी आसान नहीं है। सांसद के सिफारिशी पत्र के बावजूद दीर्घा तक पहुंचना आसान और सपाट नहीं है। संसद की कार्यवाही कवर करने वाले पत्रकारों को भी कंप्यूटरीकृत सुरक्षा जांच से होकर गुजरना पड़ता है। सुरक्षा के चार घेरों के बावजूद 'पीले धुएं' वाले द्रव्य या क्रैकर को पकड़ा नहीं जा सका, यह हमारी सुरक्षा का अधूरापन है। संयोग है कि दो प्रदर्शनकारियों ने संसद के बाहर 'पीला धुआं' फैलाया और नारेबाजी की। दो युवकों ने संसद की सुरक्षा को धुआं-धुआं कर दिया। हालांकि कुल छह आरोपी हैं।

मानव मस्तिष्क का गणीतीकरण व समाज

विद्यालय स्तर पर जहां विषय सिर्फ पाठ्यचर्चा को समय पर समाप्त करने तक सीमित रह गया है, वहीं बड़े-बड़े कोचिंग संस्थान भी बच्चों को सवाल हल करने के तरीके तो बता रहे हैं, लेकिन समस्या को गहराई से समझने और उसे हल करने के नए तरीके खोजने के लिए प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं। गणित अन्य विषयों से अलग है और इसकी अलग प्रकृति ही इसे सीखने और सिखाने के अलग तरीकों की मांग करती है। एक जिम्मेवार समाज और प्रशिक्षित शिक्षक विचार प्रक्रिया के गणीतीकरण की अहम कड़ी है। गणित को रुचिकर बनाने के लिए बाल्यावस्था से ही बच्चों को तैयार करना होगा'

गणित, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक महत्वपूर्ण उपकरण होने के साथ साथ मानव मस्तिष्क की विचार प्रक्रिया के गनीतीकरण का सर्वोत्तम साधन है। महान गणितज्ञ 'गाउस' ने गणित को सभी विज्ञानों की रानी कहा क्योंकि बहुत से विषय ऐसे हैं जो गणित के बगैर अधूरे हैं। प्राचीन काल में भी गणित का स्थान सभी प्रकार के ज्ञान-विज्ञानों में सर्वोपरि रहा। वेदांग ज्योतिष में कहा भी गया है, 'यथा शिखा मयूराणाम नागानां मणयो यथा', तथा 'वेदांग शास्त्राणाम गणितम मुर्धीं स्थितं', अर्थात जिस प्रकार मोरों में शिखा और नागों में मणि का स्थान सबसे ऊपर है, उसी प्रकार सभी वेदांग और शास्त्रों में गणित का स्थान सबसे ऊपर है। भारतवर्ष के लिए गर्व की बात यह है कि बारहवीं सदी तक गणित के क्षेत्र में किए गए अधिकतर महत्वपूर्ण कार्य भारतीय गणितज्ञों की खोजों पर ही आधारित थे। लेकिन वर्तमान में स्थितियां बहुत अलग हैं। वर्ष 2009-10 में भारत ने पहली बार आधुनिक अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन में भाग लिया जिसमें गणित के कौशल का भी मूल्यांकन हुआ और इस परीक्षा में तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश के कुछ छात्र पीआईएसए परीक्षा में शामिल हुए। इसमें हमारा प्रदर्शन बहुत खराब रहा। उस परीक्षा में भाग लेने वाले 74 देशों में से 73वें स्थान पर रहे, केवल कजाकिस्तान से आगे रहे। उसके बाद हमने इस परीक्षा में कभी भाग नहीं लिया। इस प्रदर्शन पर बहुत सी टिप्पणियां हुई और परीक्षा के तरीके पर भी प्रश्न चिन्ह लगे, लेकिन वास्तविकता ये है कि विश्व को राह दिखाने वाला भारतवर्ष आज गणित के क्षेत्र में अव्वल नहीं है।

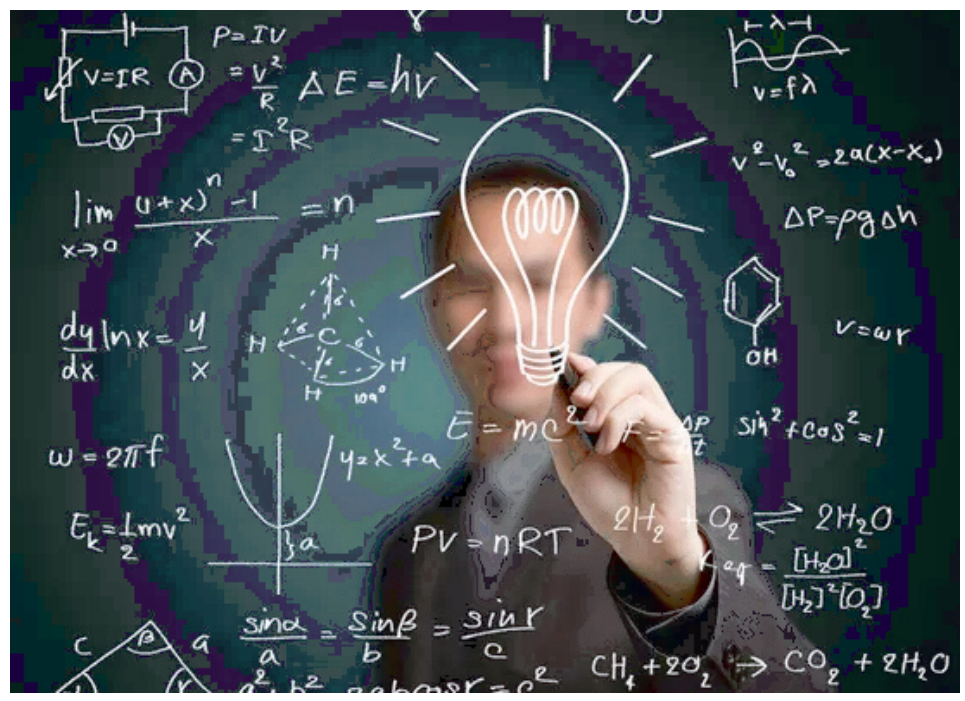

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के दूसरे अध्याय : बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान' में भी इस पहलू पर चिंता जताते हुए कहा गया है कि, 'विभिन्न सरकारी, साथ ही गैर सरकारी सर्वेक्षणों से ये संकेत मिलता है कि हम वर्तमान में सीखने की एक गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। वर्तमान में प्राथमिक शिक्षा में बड़ी संख्या में शिक्षार्थियों ने, जिनकी अनुमानित संख्या 5 करोड़ से अधिक है, बुनियादी संख्या ज्ञान भी नहीं सीखा है। अर्थात ऐसे बच्चों को अंकों के साथ बुनियादी जोड़ और घटाव करने की क्षमता भी नहीं है।' आंकड़ों के अनुसार राष्ट्र के कक्षा 3 के लगभग 72 फीसदी बच्चे सरल घटाव भी नहीं कर सकते और हिमाचल प्रदेश में यह आंकड़ा लगभग 67 फीसदी है। और ये वास्तविकता भी हमें स्वीकार करनी होगी कि नई पीढ़ी का गणित के प्रति रुझान कम होता जा रहा है और जो विज्ञान के अन्य विषयों में कुछ करना चाहते हैं, उनका गणितीय ज्ञान भी कामचलाऊ है। अब प्रश्न ये उठता है कि इस अवनति के कारण क्या हैं? कुछ शिक्षाविद सरकारी नीतियों को इसका जिम्मेवार ठहराते हैं तो कुछ अध्यापकों पर दोषारोपण करते हैं। लेकिन सत्यता ये है कि न तो कभी गणित को गणित की तरह सिखाने का प्रयास हुआ और न ही समाज ने शिक्षार्थी के अवचेतन मन पर इसकी आवश्यकता का सकारात्मक प्रभाव डाला। अगर हम पहले पहलू की बात करें तो हमको ये बात स्वीकार करनी होगी कि गणित में रट्टा नहीं हो सकता, क्योंकि ये एक गतिविधि आधारित विषय है, जिसका उद्देश्य मानव मस्तिष्क का गनीतीकरण करना है, और ऐसे विषय को सीखने के लिए स्वयंसिधम, उचित मार्गदर्शन, उचित गणितीय प्रयोगशाला और नवीनतम शिक्षण सहायक सामग्री का समन्वय जरूरी है। वर्तमान में विद्यालय स्तर पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव इस विषय के शिक्षण के लिए बिल्कुल भी नहीं है, लेकिन शिक्षण में गणितीय प्रयोगशाला और नवीनतम शिक्षण सहायक सामग्री के सामंजस्य को बनाने के लिए शिक्षक ही प्रशिक्षित नहीं है। और इस अभाव का सीधा असर शिक्षार्थी की रुचि को प्रभावित करता है और गणित जैसा विषय उनके लिए एक चुनौती बन जाता है। अगर दूसरे पहलू की बात करें तो समाज में शिक्षार्थी के मन में गणित के प्रति एक ऐसा भय डालने की परम्परा बना ली है कि बाल्यावस्था से ही बच्चे का अवचेतन मन इस विषय में रुचि बनाने को तैयार ही नहीं होता। रसूखदार और कामयाब लोगों की गणित के प्रति नकारात्मक टिप्पणियां इसका स्पष्ट उदाहरण है, जो बच्चे के मन को गणित की ओर झुकाव न रखने के लिए काफी है।

गणित बच्चे के आंतरिक संसाधनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिससे विचारों की स्पष्टता, तार्किक निष्कर्षों तक पहुंचने की कला और कार्य करने की तीव्र व सटीक विधियों का विकास होता है। विद्यालय स्तर पर जहां विषय सिर्फ पाठ्यचर्चा को समय पर समाप्त करने तक सीमित रह गया है, वहीं बड़े बड़े कोचिंग संस्थान भी बच्चों को सवाल हल करने के तरीके तो बता रहे हैं, लेकिन समस्या को गहराई से समझने और उसे हल करने के नए तरीके खोजने के लिए प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं। गणित अन्य विषयों से अलग है और इसकी अलग प्रकृति ही इसे सीखने और सिखाने के अलग तरीकों की मांग करती है। एक जिम्मेवार समाज और प्रशिक्षित शिक्षक विचार प्रक्रिया के गनीतीकरण की अहम कड़ी है। गणित को रुचिकर बनाने के लिए बाल्यावस्था से ही बच्चे के अवचेतन मन में इस विषय के सकारात्मक प्रभाव जरूरी हैं और शिक्षकों को शिक्षण व प्रशिक्षण के अलावा किसी भी कार्य में अंतर्भावन न करना शिक्षण और अधिगम का अहम हिस्सा है, ये स्वीकार करना भी जरूरी है।

हास्य रस

डरा हुआ गणतंत्र!

इस बार गणतंत्र न तो सर्दी से ठिठुर रहा था और न ही पार्क के एक कोने में उदास अनमना सा बैठा था, अपितु वह तना हुआ समारोह का आनंद उठा रहा था। मैं चुपचाप गणतंत्र की सारी हरकतें देख रहा था। मैं भी उसके पास बैंच पर जा बैठा और धीरे से बोला-'क्या बात है गणतंत्र जी, बड़े खुश नजर आ रहे हो?' गणतंत्र ने मुझे देखा नहीं, उलटे भरपूर मुस्कान के साथ बोला-'लोकतंत्र की चिंता में दुबला होते हुए वर्ष बीत गए। कब तक रोऊं इस लोकतंत्र के नाटक को। नए युग के नए लोकतंत्र की भांति मैंने भी अपने आपको बदल लिया है। साम्प्रदायिकता, जात-पांत और आडम्बरों से भरे लोकतंत्र की चिंता मैं अकेला क्यों करूं? तुम जाओ अपना वोट बेचो, मुझे गणतंत्र दिवस समारोह का लुत्फ उठाने दो। तुम हर बार दाल-भात में मूसल चंद की तरह आ टपकते हो। तुम मेरा हाल-चाल जानने के लिए सदैव क्यों परेशान रहते हो?' मैं बोला-'तुम स्वांग भर रहे हो और खुश होने का ढोंग कर रहे हो। मुझे पता है तुम्हारी हालत खराब है और तुम अपनी बदहाली को छुपा रहे हो। तुम्हारी हालत आज भी 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' जैसी ही है। मैं एक जागरूक लेखक हूं। मुझे तुम्हारी चिंता है। गत वर्ष भी मैंने तुम्हारे ऊपर बदहाली का निबंध लिखा था और इस बार भी मैं तुम्हारे संबंध में साफ-साफ लिखना चाहता हूं।' 'मैं जानता हूं तुम लेखक हो। हर वर्ष एक लेख छपाने के लिए तुम मेरे पास आ चिपकते हो।

गुजरात में जो हुआ, उससे मैं खुश हूं। गुजरात को लेकर तुम संदिग्ध क्यों हो? वहां लोकतंत्र की विजय हुई है। कांग्रेस का हारना मेरी दुर्गति क्यों मानते हो? मुझे तीसरी बार गुलाब के फूलों की माला पहनाई गई है। तुम अपने एक लेख के लिए मुझे कोसने में लगे रहते हो? जाओ, लिखना है तो वामदलों पर लिखो, जिन्होंने दिल्ली में कोहराम मचाकर कांग्रेस का चैन छीन रखा है।' 'तुम तो चालाक हो गए हो गणतंत्र भाई! मेरा लेख लिखना जरूरी है। गणतंत्र दिवस के मौके पर मेरा लेख छपेगा तो पारिश्रमिक मिलेगा, इसलिए तुम वही बने रहो तो मेरा काम आसान हो जाएगा। तुम्हारा खुश होना मेरे लेखन में बाधा है। अपनी माली हालत चंगी दिखाकर तुम मेरी छपास का नाश मत करो।

तुम वही दीन-हीन और कारुणिक बने रहो, वर्ना मैं गणतंत्र दिवस पर क्या लिखूंगा?' मैंने कहा तो गणतंत्र ने ठहाका लगाया और बोला-'तुम्हारे लेख के लिए मैं सदैव रोता रहूं। युगबोध को मैंने भली प्रकार से समझ लिया है। हवाओं के रुख के साथ चलने लगा हूं मैं भी। जाओ, मैं फिर कहता हूं, मुझ पर लिखने की एवज तसलीमा पर लिखो, जिसकी तमाम स्वतंत्रताएं समाज ने छीन ली हैं। मैं अपने हर हाल में खुश हूं। मुझे बेवकूफ मत बनाओ।' मैंने कहा-'तुम सब जानते हो, उसके बाद भी सारा हलाहल पीकर मदमस्त बने हुए हो? तुम्हें सच बताना होगा कि तुमने यह सब सीखा कैसे? कैसे ढाल लिया है अपने आपको हालात के अनुसार। तुम किसी से डर कर तो ऐसा नहीं कर रहे?' मेरे मुंह से यह सुनकर उसे सांप सूंघ गया। चेहरा पीला पड़ गया और वह दर्द से कराहने लगा। मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि वह झूठ क्यों बोल रहा था? इस बार का गणतंत्र डरा हुआ था।

पूरन सरमा

इनसाइड

शेयर मार्केट, SIP से लेकर mutual fund रहे निवेश के बेस्ट ऑप्शन, ये हैं टॉप इन्वेस्टमेंट टूल्स

खुद को वित्तीय रूप से सशक्त करने के लिए आज के समय में निवेश करना बहुत जरूरी हो गया है। अगर आप भी अगले साल 2024 तक खुद को वित्तीय रूप से मजबूत करना चाहते हैं तो आप को आज हम टॉप इन्वेस्टमेंट टूल्स के बारे में बताएंगे। आप इन टूल्स में आसानी से निवेश कर सकते हैं। यह आपको वित्तीय रूप से मजबूत करने में मदद करेगा।

नई दिल्ली। देखते-देखते 2023 वर्ष खत्म होने वाला है। खुद को वित्तीय रूप से मजबूत करने के लिए आप कई इन्वेस्टमेंट टूल्स में निवेश कर सकते हैं। अगर आप भी निवेश को लेकर कंफ्यूज हैं तो आपको बता दें कि आज के समय में निवेश के कई ऑप्शन मौजूद हैं। आज हम आपको इस लेख के जरिये बताते हैं कि आप कहां निवेश कर सकते हैं और आपके लिए कौन-सा ऑप्शन बेस्ट हैं।

शेयर बाजार

शेयर बाजार में निवेश करना आज के समय में एक बेसिक ऑप्शन सा बन गया है। आप अपने बजट के हिसाब से आसानी से इसमें निवेश कर सकते हैं। शेयर बाजार में निवेश को लेकर एक्सपर्ट भी सलाह देते हैं कि इसमें लंबे समय तक के लिए निवेश करना चाहिए। इसके साथ ही इसमें निवेश से पहले सभी पहलू को ध्यान से पढ़ना चाहिए, क्योंकि यह जोखिम भरा होता है।

एसआईपी

एसआईपी (SIP) भी निवेश के लिए काफी अच्छा ऑप्शन है। यह म्यूचुअल फंड में निवेश करने जैसा ही है। इसमें आप कम राशि का निवेश कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें कम रिस्क के चांस होता है। इसमें आप कम निवेश करके ज्यादा का लाभ पा सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड (Mutual Fund) में अगर लंबे समय तक निवेश करते हैं तो आपको ज्यादा लाभ मिलेगा। एक फिक्सड इनकम के लिए निवेशक को इक्विटी उंड में निवेश करना चाहिए। इक्विटी फंड में कम रिस्क के साथ ज्यादा रिटर्न मिलता है।

रियल एस्टेट

साल दर साल में प्रोपर्टी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। ऐसे में आप प्रोपर्टी में भी निवेश कर सकते हैं। यह भी निवेश के लिए काफी अच्छा ऑप्शन है। आप रियल एस्टेट (Real Estate) में निवेश करके कैश-फ्लो, टैक्स ब्रेक और इक्विटी भी बिल्ड कर सकते हैं।

एनपीसी

नेशनल पेंशन स्कीम (NPS) में भी निवेश करके आप वित्तीय रूप से स्थिर हो सकते हैं। यह रिटायरमेंट प्लान के लिए काफी लोगों को पसंद आता है। इसमें निवेश करने से आप महंगाई से बच सकते हैं। इसके अलावा यह टैक्स बेनिफिट में भी मदद करता है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

डिजिटल गोल्ड में आप निवेश कर सकते हैं। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (Soverign Gold Bond) सरकार द्वारा जारी एक स्कीम है। इसमें रिस्क फैक्टर काफी कम होता है। इसके अलावा इसमें आपको प्योर गोल्ड के साथ स्टोरेज जैसे खर्चों से भी बचाता है।

अनक्लेम्ड डिपॉजिट की जानकारी देगा आरबीआई का यह पोर्टल, जानिए स्टेप बाय स्टेप प्रोसेस

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। देश में अनक्लेम्ड डिपॉजिट FY23 में FY22 की तुलना में 28 प्रतिशत बढ़ चुका है। इस बात की जानकारी खुद संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार ने दी है।

सरकार ने हाल ही बताया कि बैंकों के पास कुल अनक्लेम्ड डिपॉजिट 42,270 करोड़ रुपये है, जो पिछले साल के आंकड़ों से 28 प्रतिशत अधिक है। 42,270 करोड़ रुपये में से 36,185 करोड़ रुपये सरकारी बैंक में और 6,087 करोड़ रुपये प्राइवेट बैंक में है।

क्या होता है अनक्लेम्ड डिपॉजिट ?

एक कोई सेविंग या करेंट अकाउंट पिछले 10 साल से संचालित नहीं हुआ हो या फिर किसी एफडी को उसके मैच्योरिटी डेट के बाद से 10 साल का समय हो गया है और कोई क्लेम करने वाला नहीं आया तो ऐसी संपत्ति को अनक्लेम्ड डिपॉजिट कहते हैं।

आरबीआई का उदगम पोर्टल करेगा मदद

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का उदगम पोर्टल अनक्लेम्ड डिपॉजिट से संबंधित जानकारी देखने में आपकी मदद करता है। उदगम वेबसाइट को रिजर्व बैंक सूचना प्रौद्योगिकी प्राइवेट लिमिटेड

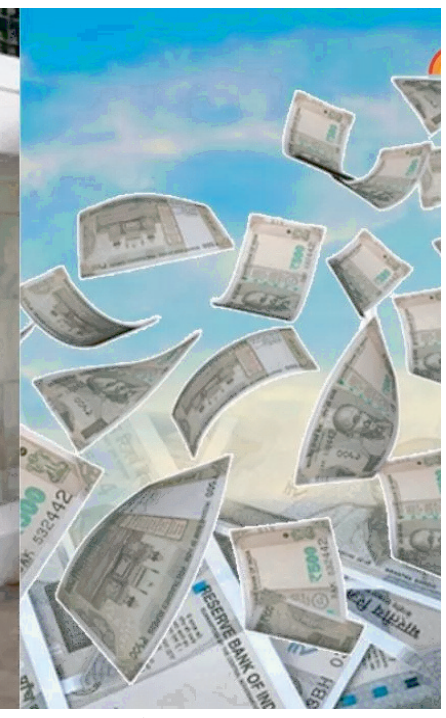

(ReBIT), भारतीय वित्तीय प्रौद्योगिकी और संबद्ध सेवाएँ (IFTAS), और सहयोगी संस्थानों के सहयोग से बनाया गया है।

आपको बता दें कि आरबीआई की उदगम वेबसाइट पर अभी तक 30 बैंकों ने अनक्लेम्ड डिपॉजिट की जानकारी दी है।

उदगम पोर्टल पर कैसे देखें अनक्लेम्ड डिपॉजिट की जानकारी

सबसे पहले आपको उदगम पोर्टल पर जाकर लॉग इन करना होगा। यदि आपने उदगम पोर्टल पर रजिस्टर नहीं किया है तो पहले आपको खुद को रजिस्टर करना होगा

रजिस्टर करने के लिए आपको मोबाइल नंबर, आपका नाम, पासवर्ड, कैप्चा, I Agree और I Declare बॉक्स को क्लिकर कर खुद को रजिस्टर करना होगा।

रजिस्टर होने के बाद आप लॉग इन हो जाएंगे और इस वेबसाइट पर मौजूद 30 बैंकों में से अनक्लेम्ड डिपॉजिट को खोज पाएंगे।

वित्त वर्ष 2022 की तुलना में वित्त वर्ष 2023 में देश में लावारिस जमा में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सरकार ने हाल ही में बताया कि बैंकों में कुल लावारिस जमा राशि 42270 करोड़ रुपये है जो पिछले वर्ष से 28 प्रतिशत अधिक है। 42270 करोड़ रुपये में से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी 36185 करोड़ रुपये और निजी बैंकों की हिस्सेदारी 6087 करोड़ रुपये है।

वेनेजुएला से तेल खरीदने को तैयार भारत, 3 वर्षों बाद इस देश की होगी तेल बाजार में वापसी

वेनेजुएला से भारत ने वर्ष 2020 में क्रूड खरीदना बंद कर दिया था। तब उस पर अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लग गया था। वैसे भारत ने प्रतिबंधों की अनदेखी करते हुए रूस से लगातार क्रूड की खरीद की है। तकरीबन तीन वर्षों बाद वेनेजुएला की तेल बाजार में वापसी का असर कच्चे तेल पर भी पड़ रहा है।

नई दिल्ली। पिछले कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय प्रतबंध झेल रहे दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के तेल बाजार में लौटने का भारत ने स्वागत किया है और संकेत दिया है कि वह इससे तेल की खरीददारी भी शुरु करने को तैयार है। केंद्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा-

भारत हमेशा से वेनेजुएला का क्रूड खरीदता रहा है। प्रतिबंध की वजह से ही भारत ने उससे तेल की खरीद बंद की है। भारत की कई रिफाइनरियां हेवी क्रूड के इस्तेमाल करने में सक्षम है। हम फिर से खरीदेंगे।

3 वर्षों बाद वेनेजुएला की तेल बाजार में वापसी

वेनेजुएला से भारत ने वर्ष 2020 में क्रूड खरीदना बंद किया था। तब उस पर अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लग गया था। वैसे भारत ने प्रतिबंधों की अनदेखी करते हुए रूस से लगातार क्रूड की खरीद की है। तकरीबन तीन वर्षों बाद वेनेजुएला की तेल बाजार में वापसी का असर कच्चे तेल पर भी पड़ रहा है और इससे भी भारत को सीधे तौर पर फायदा हो रहा है।

क्रूड की कीमतों में आई गिरावट

तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक की तरफ से उत्पादन में कटौती किये जाने और सर्दियों की मांग तेज होने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतें नीचे की तरफ आ रही हैं। दो हफ्ते पहले 88 डॉलर प्रति बैरल की कीमत अब 72-73 डॉलर प्रति बैरल के करीब है।

विदेशी बाजार पर निर्भर है भारत

भारत अपनी जरूरत का 87 फीसद क्रूड बाहर से लेता है। यहां क्रूड की कीमतें इकोनॉमी की दिशा तय करने में काफी अहम भूमिका निभाती हैं। ऐसे में सस्ते क्रूड से भारतीय इकोनॉमी को और मजबूती मिलने की बात कही जा रही है।

कारोबारी हफ्ते में पहली बार बढ़त के साथ बंद हुआ रुपया, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे की आई तेजी

सुबह से डॉलर के मुकाबले रुपया बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। यह बढ़त आज पूरे कारोबार में जारी रहा। बाजार बंद होते समय डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे की तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं शेयर मार्केट में भी तेजी का दौर जारी रहा। शेयर बाजार के दोनों सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए हैं। पढ़िए पूरी खबर...

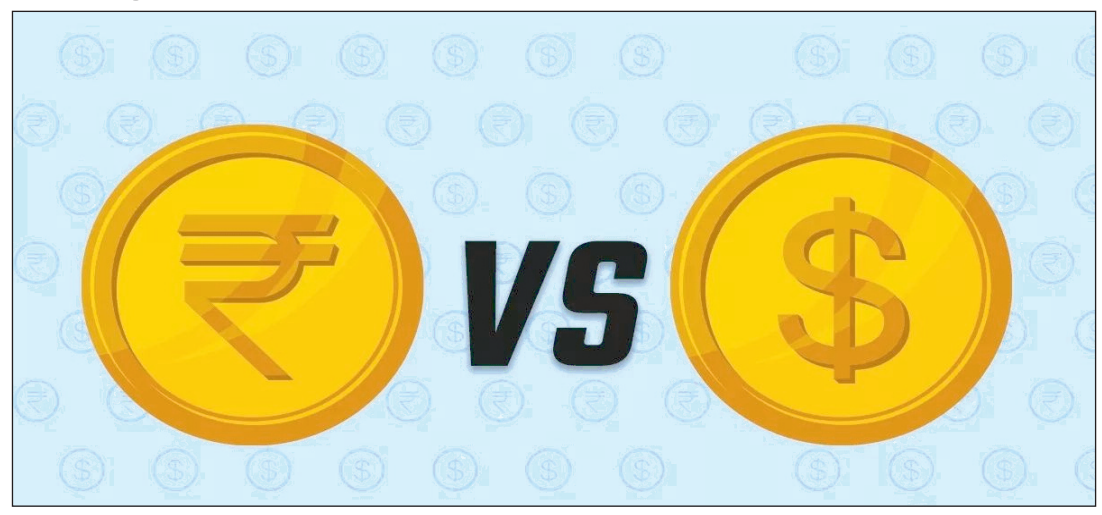

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने और शेयर बाजार में बढ़त के बाज आज कारोबारी हफ्ते में पहली बार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे बढ़कर 83.15 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि उभरती भू-राजनीतिक स्थिति और विदेशी फंडों के बहिर्वाह के कारण कच्चे तेल की कीमत में लगातार बढ़ोतरी के कारण भारतीय मुद्रा दबाव में रही।

इंटरबैंक विदेशी मुद्रा में, घरेलू मुद्रा 83.25 पर खुली और इंट्रा-डे के दौरान ग्रीनबैक के मुकाबले 83.11 से 83.27 के दायरे में कारोबार किया। स्थानीय इकाई अंततः 83.15 (अनंतिम) पर बंद हुई, जो पिछले बंद के मुकाबले 12 पैसे की बढ़त दर्ज करती है।

गुरुवार को डॉलर के मुकाबले घरेलू मुद्रा 9 पैसे गिरकर 83.27 पर बंद हुई। बुधवार को यूनिट ने सपाट कारोबार किया और मंगलवार को 8 पैसे की हानि के साथ उसी स्तर पर सत्र समाप्त करने के एक दिन बाद 83.18 पर बंद हुआ। सोमवार को करेंसी 7 पैसे टूटकर 83.10 पर बंद हुई थी।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वीपी रिसर्च एनालिस्ट जतीन त्रिवेदी ने कहा

डॉलर इंडेक्स का कमजोर होना रुपये के लिए बड़ा समर्थन रहा है क्योंकि 10 सत्रों में डॉलर 104 से गिरकर 101.70 पर आ गया है। हालाँकि, रुपये का समग्र रुझान 82.90-83.40 ज़ोन के दायरे में बना हुआ है।

आज डॉलर इंडेक्स 0.07 प्रतिशत कम होकर 101.41 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मूल्य बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.97 प्रतिशत चढ़कर 80.16 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

आज बीएसई सेंसेक्स 241.86 अंक या 0.34 प्रतिशत बढ़कर 71,106.96 पर बंद हुआ। व्यापक एनएसई निफ्टी 94.35 अंक या 0.44 प्रतिशत बढ़कर 21,349.40 पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) गुरुवार को 1,636.19 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

लोन से लेकर डिजिटल करेंसी तक कई अहम मुद्दों पर RBI ने लिया फैसला, Fintech सेक्टर के लिए कैसा रहा यह साल

2023 इस साल भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने फाइनेंशियल के साथ टेक्नॉलजी सेक्टर में कई अहम मुद्दों पर फैसला लिया है। यह फैसला देश में डिजिटल युग को शुरू करने और देश की आर्थिक स्थिति को सही करने में मदद करेगा। आइए जानते हैं कि वर्ष 2023 में Fintech सेक्टर को लेकर आरबीआई द्वारा कौन-स अहम फैसले लिए गए हैं।

नई दिल्ली। वर्ष 2023 में Fintech सेक्टर के लिए काफी अच्छा रहा है। टेक्नोलॉजी और फाइनेंशियल सेक्टर में रोज कुछ नई गतिविधियां होती रहती है। आज के डिजिटल युग को विकसित करने के लिए फिनटेक सेक्टर (Fintech Sector) का बड़ा योगदान है। इस सेक्टर के विकास के लिए आरबीआई द्वारा कई अहम कदम उठाए गए हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिये जानते हैं कि वर्ष 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक ने फिनटेक सेक्टर के लिए कौन-से अहम फैसले लिए हैं।

डिजिटल लोन

कुछ साल पहले लोगों को लोन लेने में जहां दिक्कत का सामना करना होता था, वहीं आज कुछ मिनटों में लोगों को लोन मिल जाता है। केंद्रीय बैंक ने डिजिटल लोन (Digital Loan) के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। डिजिटल लोन के लिए आरबीआई ने हाल में ही एफएलडीजी (FLDG) दिशानिर्देशों को जारी किया है। इन निर्देशों में बैंक ने डिफॉल्टर (Defaulter) उधारकर्ता की संभावना को कम करने के लिए भी फैसला लिया है।

आपको बता दें कि इस निर्देश के जारी होने के बाद डिजिटल लोन का एक ओर बढ़ावा मिला है तो दूसरी तरफ देश में डिजिटल अर्थव्यवस्था के बढ़ने की संभावनाएं भी ज्यादा हुई है। आरबीआई ने फर्स्ट लॉस डिफॉल्ट गारंटी (FLDG) को भी मंजूरी दे दी है। यह डिफॉल्ट उधारकर्ताओं से हो रहे नुकसान की संभावनाओं को कम करने में मदद करता है।

देश के बाहर पहुंचा यूपीआई

अब भारत के साथ कई बाहरी देशों में भी हम यूपीआई के जरिये आसानी से ऑनलाइन पेमेंट कर सकते हैं। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NPCIPL) ने सिंगापुर, यूएई, मॉरीशस, नेपाल और भूटान के साथ कई और देशों में यूपीआई (UPI) पेमेंट के लिए साझेदारी की है। इस साझेदारी के बाद भारतीय आसानी से डिजिटल पेमेंट (Digital Payment) का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा यह देश के करेंसी ट्रांजेक्शन के लिए लगने वाली लागत को भी कम किया है।

यूपीआई की सराहना करते हुए बिल गेट्स (Bill Gates) ने सिंगापुर फिनटेक फेस्टिवल (Singapore Fintech Festival) में कहा कि भारत ने डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा दिया है। वहीं बैंक के साथ स्मार्टफोन के ऐप से आसानी से रुपये का लेनदेन हो जाता है। इसके अलावा वहां सभी वर्ग तक डिजिटल पेमेंट पहुंच गया है। अब हर वर्ग आराम से बड़ी लेनदेन के साथ छोटी पेमेंट के लिए यूपीआई कर सकते हैं।

डिजिटल करेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए ई-रुपी (E-Rupee) लॉन्च किया। यह डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने में कारगर साबित हुआ है। आपको बता दें कि ई-रुपी बैंक की सॉवरेन करेंसी (Sovereign Currency) है। डिजिटल करेंसी ने डिजिटल युग में एक तरह से क्रांति ला दी है। देश में डिजिटल करेंसी को बढ़ावा देने के लिए आरबीआई ने 1 दिसंबर 2022 को पायलट प्रोग्राम (Pilot Program) शुरू किया था। इस प्रोग्राम में खुदरा डिजिटल रुपया या ई-रुपी को सीबीडीसी के लिए शुरू किया गया था।

ई-करेंसी को बढ़ावा देने के लिए बैंक-टू-बैंक या क्रेडिट-टू-बैंक यूपीआई पेमेंट को भी स्वीकृति दी है। अब ग्राहक यूपीआई स्कैन करके आसानी से सीबीडीसी वॉलेट (CBDC Wallet) से भी ई-रुपी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूपीआई से पेमेंट करने का है शौक तो भूलकर भी ना करें ये गलतियां, खाली हो जाएगा अकाउंट

अब हम 1 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये तक की पेमेंट आसानी से यूपीआई के जरिये कर देते हैं। कई बार हम यूपीआई करते समय गलती कर दते हैं। यह गलती हमें काफी महंगी पड़ जाती है। देश में यूपीआई से जुड़े फ्रॉड की संख्या बढ़ गई है। आज हम इस आर्टिकल में जानते हैं कि यूपीआई करते समय हमें कौन-सी गलतियां करने से बचना चाहिए।

नई दिल्ली। आज के समय में किराने से लेकर कोई बड़ी पेमेंट के लिए हम यूपीआई करना काफी पसंद करते हैं। देश में यूपीआई की संख्या में वृद्धि देखने को मिली है। आप कुछ सेकेंड में PayTm, PhonePay,BHIM या बाकी यूपीआई ऐप के जरिये आसानी से पेमेंट कर सकते हैं। ऑनलाइन पेमेंट की वजह से अब लोगों को कैश रखने की आवश्यकता नहीं होती है।

आपको बता दें कि आपको ऑनलाइन पेमेंट करते समय काफी सावधानी रखने की जरूरत है। अगर आपसे कोई गलती हो जाती है तो यह आपको वित्तीय तौर पर नुकसान पहुंचा सकता है। आज हम आपको बताएंगे कि आपको यूपीआई करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

यूपीआई पिन

आपको कभी भी अपना यूपीआई पिन किसी के साथ भी शेयर नहीं करना चाहिए। यूपीआई से पेमेंट करने से पहले हमसे पिन मांगा जाता है। अगर हम यह पिन किसी को साझा करते हैं तो कोई भी उस पिन का गलत इस्तेमाल करके अकाउंट से राशि निकाल सकते हैं। इस वजह से एक्सपर्ट भी सलाह देते हैं कि हमें यूपीआई पिन को पर्सनल रखना चाहिए।

इसके अलावा आप नियमित तौर पर अपनी यूपीआई पिन भी जरूर बदलें। यह आपके साथ होने वाले फ्रॉड की संभावना को काफी कम कर देता है।

स्क्रीन लॉक

आज लगभग सभी स्मार्टफोन में स्क्रीन लॉक की सुविधा मिल गई है। ऐसे में आपको खुद को किसी भी तरह के फ्रॉड से बचने के लिए अपना स्क्रीन लॉक करना चाहिए। यह आपके सभी ऐप की सिक्योरिटी के साथ आपके पेमेंट को सिक्योर करता है। अगर आप अपने फोन का स्क्रीन लॉक नहीं करते हैं तो कोई भी बड़ी आसानी से आपके फोन को हैक कर सकते है।

अपने फोन और अपने यूपीआई ऐप को सिक्योर करने के लिए स्क्रीन लॉक करना काफी जरूरी है। यह आपके ऐप को सिक्योर करता है।

यूपीआई आई-डी वेरिफाई

आप जब भी कोई यूपीआई पेमेंट करते हैं तो आपको यूपीआई-आडी वेरिफाई करनी चाहिए। कभी भी पेमेंट करते समय किसी भी प्रकार की जल्दबाजी ना करें। अगर आप जल्दबाजी में पेमेंट करते हैं तो गलत यूपआई आईडी पर ट्रांजेक्शन की उम्मीद होती है। ऐसे में आप कभी गलत यूपीआई आईडी पर ट्रांजेक्शन ना करें इसके लिए आपको दोबारा यूपीआई आईडी की जांच करनी चाहिए।

एक से अधिक यूपीआई ऐप

कई लोग ऑनलाइन पेमेंट के लिए एक स अधिक यूपीआई ऐप का इस्तेमाल करते हैं। एक से अधिक यूपीआई ऐप से हमेशा बचना चाहिए। कई बार एक से अधिक यूपीआई ऐप की वजह से हम कंफ्यूज हो जाते हैं। ऐसे में कोशिश करें कि आप हमेशा से यूपीआई पेमेंट के लिए केवल एक ही ऐप का इस्तेमाल करें। आपको कभी भी किसी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए।

कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन महंगा हुआ सोना-चांदी, चेक करें आपके शहर में क्या है सोने

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। आज सोना 300 रुपये और चांदी 400 रुपया महंगा हो गया है। नई दिल्ली में सोने की कीमत 300 रुपये बढ़कर 63350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। जानिए आज आपके शहर में क्या है सोने का रेट कितना है?

नई दिल्ली। शुक्रवार को गोल्ड और सिल्वर के प्राइस में तेजी देखने को मिली है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार विदेशी बाजारों में तेजी के कारोबार के बीच राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोने की कीमत 300 रुपये बढ़कर 63,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले कारोबार में सोना 63,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा

गुरुवार को तीसरी तिमाही के लिए अमेरिकी विकास दर में गिरावट के बाद डॉलर सूचकांक अगस्त की शुरुआत से अपने सबसे निचले स्तर पर गिर गया, जिससे सोने की कीमतों में तेजी आई।

अगर आप भी गोल्ड या सिल्वर खरीदने का सोच रहे हैं तो आप एक बार अपने शहर के लेटेस्ट रेट जरूर चेक करना चाहिए।

महंगा हुआ सोना

वायदा कारोबार में शुक्रवार को सोने की कीमत 206 रुपये बढ़कर 62,763 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, फरवरी डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 206 रुपये या 0.42 प्रतिशत बढ़कर 62,763 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 15,325 लॉट का कारोबार हुआ।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में सोना वायदा 0.51 प्रतिशत बढ़कर 2,061.80 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया।

चढ़ गए चांदी के दाम

वायदा कारोबार में शुक्रवार को चांदी की कीमत 339 रुपये बढ़कर 75,765 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, मार्च डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 15,272 लॉट में 339 रुपये या 0.45 प्रतिशत बढ़कर 75,765 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 0.63 प्रतिशत बढ़कर 24.74 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

चेक करें लेटेस्ट रेट

गुड रिटर्न के मुताबिक खबर लिखे जाने तक सोने की स्पॉट कीमत विभिन्न शहरों में इस प्रकार है:

दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,380 रुपये है।

नोएडा में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,380 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,230 रुपये है।

चेन्नई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,550 रुपये है।

ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री परेशान, आज 6 घंटे की देरी से रवाना होगी आनंद विहार-पटना स्पेशल; 15 अन्य भी सूची में शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

दक्षिण दिशा से आने वाली ट्रेनों की लेटलतीफी दूर हुई है। इस दिशा की ट्रेनें पिछले कुछ दिनों तक काफी विलंब से चल रही थी लेकिन बृहस्पतिवार से इसमें सुधार है। शुक्रवार को भी तेलंगाना व कर्नाटक एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनें लगभग सवा घंटे देरी से गंतव्य पर पहुंची। वहीं पूर्व दिशा से आने वाली अधिकांश ट्रेनें काफी विलंब से चल रही हैं।

नई दिल्ली। ट्रेनों की लेटलतीफी रेल यात्रियों को काफी परेशान कर रही है। शुक्रवार को भी कई ट्रेनें लेट से चलेंगी। हालांकि, दक्षिण दिशा से आने वाली ट्रेनों की लेटलतीफी दूर हुई है। इस दिशा की ट्रेनें पिछले कुछ दिनों तक काफी विलंब से चल रही थी, लेकिन बृहस्पतिवार से इसमें सुधार है।

शुक्रवार को भी तेलंगाना व कर्नाटक एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनें लगभग सवा घंटे देरी से गंतव्य पर पहुंची। वहीं, पूर्व दिशा से आने वाली अधिकांश ट्रेनें काफी विलंब से चल रही हैं।

कई राजधानी एक्सप्रेस एक घंटे से ज्यादा विलंब से चल रही हैं। दरभंगा व बरौनी से आने वाली हमसफर एक्सप्रेस भी पांच घंटे लेट हैं।

पटना-आनंद विहार टर्मिनल सुपरफास्ट विशेष लगभग पौने सात घंटे की देरी से आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। इस कारण वापस पटना के लिए यह छह घंटे की देरी से सुबह आठ बजे की जगह दोपहर दो बजे रवाना होगी।

देरी से दिल्ली पहुंचने वाली मुख्य ट्रेनें

बरौनी-नई दिल्ली हमसफर क्लोन एक्सप्रेस-पांच घंटे

दरभंगा-नई दिल्ली हमसफर क्लोन एक्सप्रेस-साढ़े चार घंटे

हल्दिया-आनंद विहार टर्मिनल साप्ताहिक सुपरफास्ट-पौने चार

हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस-पौने तीन घंटे

पुरी-योगनगरी ऋषिकेश कलिंग उत्कल एक्सप्रेस-पौने तीन घंटे

दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस- सवा दो घंटे

मुजफ्फरपुर-नई दिल्ली सप्तक्रांति एक्सप्रेस-पौने दो घंटे

भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी-एक घंटे

राजेंद्र नगर-नई दिल्ली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस-सवा घंटे

रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस-एक घंटा

हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस-सवा घंटे

डिब्रुगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस-एक घंटा

सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस-एक घंटा

मथुरा-नई दिल्ली मेमू-एक घंटा

बुलंदशहर- तिलक ब्रिज मेमू-सवा घंटे

संस्कृत भारती मनाएगी गीता जयंती उत्सव

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा- संस्कृत भारती शाहपुरा जिला इकाई द्वारा शनिवार को आदर्श विद्या मंदिर गांधीपुरी में गीता जयंती उत्सव का आयोजन किया जाएगा। विभाग संयोजक परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि संस्कृत भारती के छह उत्सव में से एक गीता जयंती उत्सव शनिवार को सायं 7:00 बजे आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित होगा जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत बौद्धिक शिक्षण प्रमुख सत्यनारायण कुमावत 'दैनिक जीवन में गीता का महत्व' विषय पर पाथेय प्रदान करेंगे। जिला अध्यक्ष तेजपाल उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम में गीता महात्म्य के साथ ही 15 वें अध्याय का सामूहिक पाठ किया जाएगा। कार्यक्रम में नगर के युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं मातृ शक्ति का आह्वान किया गया है।

पर्स की छीना-झपटी में महिला की मौत, ई-रिक्शा से गिरने पर सिर में आई थी गंभीर चोट

नईदिल्ली। राजधानी में बढ़ते अपराध ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। तकरीबन हर दिन चाकू या गोली मारकर लोगों की हत्या कर दी जा रही है। गैंगस्टर खुलेआम पैसेवालों को धमकी देकर रंगदारी मांग रहें हैं। राह चलते लोगों का झपटमार मोबाइल, चेन और पर्स झपट लेते हैं। उत्तरी जिला के सिविल लाइंस इलाके में गत दिनों झपटमारों की शिकार हुई 66 वर्षीय महिला ने शुक्रवार सुबह दम तोड़ दिया। अरुणाचल प्रदेश की केसांग दोरजी करीब दो सप्ताह पहले बेटे के अच्छे इलाज के लिए परिवार के कई सदस्यों के साथ दिल्ली आई थी, लेकिन दिल्ली में बढ़ते अपराध के कारण वह बदमाशों की शिकार हो गई। स्वजन के लिए दिल्ली आना बहुत ही बुरा अनुभव साबित हुआ। ई-रिक्शा से सफर करने पर झपटमारों द्वारा महिला का बैग झपटने पर वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। केसांग दोरजी अरुणाचल प्रदेश के बोमडिला की रहने वाली थी। घटना 17 दिसंबर शाम चार बजे के आसपास हुई थी। सिविल लाइंस थाना पुलिस में मामला दर्ज कर झापमरों की पहचान करने और उनके द्वारा भागने के लिए अपनाए गए रास्तों की पहचान करने के लिए घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका है।

'मनीष कश्यप एक न एक दिन बनेगा बिहार का मुख्यमंत्री' सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह की भविष्यवाणी

परिवहन विशेष न्यूज

मनीष कश्यप को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह ने भविष्यवाणी की बिहार की राजनीति में एक दिन ऐसा आएगा जब मनीष कश्यप बिहार की राजधानी पटना की विधानसभा के अंदर खड़े होकर शपथ लेगा। उन्होंने कहा कि इस मनीष कश्यप ने जेल में बिताएं। अभी उनके पास दो आंखें थी। अब तीसरा ज्ञान का नेत्र निकलेगा और वह जेल से बाहर आएगा।

नई दिल्ली। बिहार के यूट्यूबर मनीष कश्यप की शुक्रवार यानी आज जेल से रिहाई होनी है। अब मनीष कश्यप को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील डॉ. एपी सिंह ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि इस मनीष कश्यप ने जेल में बिताएं। अभी उनके पास दो आंखें थी। अब तीसरा ज्ञान का नेत्र निकलेगा और वह जेल से बाहर आएगा।

बिहार के मुख्यमंत्री पद की लेगा शपथ- एपी सिंह

एक चैनल से बातचीत में एपी सिंह ने कहा कि मै कह रहा था कि जेल का ताला टूटेगा मनीष कश्यप जेल से छूटेगा। मनीष कश्यप को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह ने भविष्यवाणी की, ₹बिहार की राजनीति में एक दिन ऐसा आएगा, जब मनीष कश्यप बिहार की राजधानी पटना की विधानसभा के अंदर खड़े होकर शपथ लेगा कि मैं मनीष कश्यप भारत के संविधान की शपथ लेता हूं कि बिहार के मुख्यमंत्री के रूप ईमानदारी और सत्यनिष्ठा से काम करूंगा।

मनीष कश्यप लगा था ये आरोप

बता दें कि मनीष कश्यप के खिलाफ इकोनॉमिक ऑफेंस दर्ज किया गया था। इसका केस नंबर पटना इकनॉमिक ऑफेंस केस नंबर 5/23 था। आईटी एक्ट के तहत दर्ज हुए इस मामले में सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने का आरोप लगाया गया था।

बुधवार को HC से मनीष कश्यप को मिली राहत

पटना हाईकोर्ट ने इसी मामले में बुधवार को मनीष कश्यप को जमानत देकर राहत दी थी। जिरह के दौरान कोर्ट को बताया गया कि मनीष की हथकड़ी पहने हुए एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। आरोप था कि यह तस्वीर मनीष कश्यप ने ही अपने अकाउंट से प्रसारित की है।

युगांडा के नागरिक को 234 ग्राम हेरोइन के साथ किया गया गिरफ्तार, तीन करोड़ रुपये कीमत होने का अनुमान

दिल्ली के कस्टम अधिकारियों ने इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) पर युगांडा के एक नागिरक को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से साढ़े तीन करोड़ रुपये कीमत की हेरोइन जब्त किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि बरामद किए गए हेरोइन का वजन 234 ग्राम था।अधिकारियों के मुताबिक विशेष इनपुट मिलने के बाद कस्टम की टीम ने यह बरामदगी की है।

नई दिल्ली। दिल्ली के कस्टम अधिकारियों ने इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) पर युगांडा के एक नागिरक को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से साढ़े तीन करोड़ रुपये कीमत की हेरोइन जब्त किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि बरामद किए गए हेरोइन का वजन 234 ग्राम था। अधिकारियों के मुताबिक विशेष इनपुट मिलने के बाद कस्टम की टीम ने यह बरामदगी की है। आरोपी आदीस अबाबा से दिल्ली पहुंचा था। उसे एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले में आगे की जांच में जुट गई है। दो दिन पहले ही राजस्व आसूचना निदेशालय ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एक युगांडा के नागरिक के कब्जे से 8.90 करोड़ रुपये कीमत की कोकीन बरामद की गई थी। आरोपी महिला इसे अपने फर्जी बाल और अंडरवियर में छिपाकर भारत ला रही थी। डीआरआई अधिकारियों के मुताबिक मुंबई इकाई की डीआरआई टीम ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जाल बिछाकर आरोपी महिला को गिरफ्तार किया। जब महिला की तलाशी ली गई तो उसमें कुछ नहीं पाया गया। जब उसके बालों और अंडरवियर की जांच की गई तो 890 ग्राम का कोकीन बरामद हुआ।

राज्यसभा में सांसद संजय सिंह की कौन लेगा जगह? अगले महीने आम आदमी पार्टी को करना है बड़ा फैसला

दिल्ली में राज्यसभा सांसद संजय सिंह सुशील कुमार गुप्ता और नारायण दास गुप्ता का छह साल का कार्यकाल अगले 27 जनवरी को समाप्त हो रहा है। दिल्ली के तीनों सांसद आम आदमी पार्टी के हैं। इसके चलते चुनाव आयोग ने कहा कि 19 जनवरी को इन सीटों पर चुनाव होंगे। ऐसे में आम आदमी पार्टी को अगले महीने होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों का फैसला करना है।

नई दिल्ली। अगले साल यानी 19 जनवरी को चार राज्यसभा सीट (दिल्ली की तीन और सिक्किम की एक) पर चुनाव होने जा रहे हैं। इन सीटों के सांसद का कार्यकाल अगले साल 27 जनवरी को खत्म हो रहा है। इसके चलते चुनाव आयोग ने कहा कि 19 जनवरी को इन सीटों पर चुनाव होंगे।

27 जनवरी को खत्म होगा कार्यकाल

दिल्ली में राज्यसभा सांसद संजय सिंह, सुशील कुमार गुप्ता और नारायण दास गुप्ता का छह साल का कार्यकाल अगले 27 जनवरी को समाप्त हो रहा है। दिल्ली के तीनों सांसद आम आदमी पार्टी के हैं। वहीं, सिक्किम हिशे लाचुंगपा का कार्यकाल अगले साल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है।

जेल में बंद हैं AAP सांसद संजय सिंह

खास बात है संजय सिंह दिल्ली के शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं। आप सांसद सदन में अभद्र व्यवहार के कारण 24 जुलाई से राज्यसभा से निलंबित हैं। ध्यान देने वाली बात है कि पहले संजय सिंह राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के नेता थे।

19 जनवरी को होंगे राज्यसभा चुनाव

हालांकि, शराब घोटाले में संजय सिंह के जेल जाने के बाद आप ने राज्यसभा में यह जिम्मेदारी पंजाब से सांसद राघव चड्ढा को दी है। ऐसे में आम आदमी पार्टी को अगले महीने होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों का फैसला करना है। चुनाव आयोग की तरफ से कहा गया कि राज्यसभा में खाली हो रही चार सीटों के लिए 19 जनवरी को चुनाव होंगे।

नामांकन प्रक्रिया 2 जनवरी को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू होगी और 9 जनवरी पर्चा दाखिल करने की आखिरी तारीख होगी। मतदान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा और वोटों की गिनती शाम 5 बजे से शुरू होगी। चुनाव आयोग ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली को राज्यसभा में तीन सीटें आवंटित की गई हैं।

राज्य राजनीति मे कामिया आंधी

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

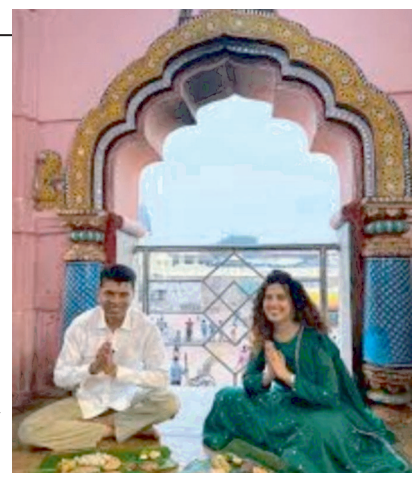

भुबनेस्वर : राज्य राजनीति में कामिया जानी आंधी . पांडियन कामिया को भगवान की भेंट से आश्चर्यचकित थे। पांडियन और कामिया के खिलाफ केस की मांग. हिंदी ब्लॉगर कामिया जानी को हाल ही में 5T के चेयरमैन भी.के. ने श्रीमंदिर परिक्रमा परियोजना की झलक और दर्शन कराए। पंडियन इसके साथ ही श्रीमंदिर परिक्रमा प्रोजेक्ट और संस्कृति को लेकर उन्हें ने इंटरव्यू दिया.जिसे कामिया ने अपने सोशल मीडिया पेज पर अपलोड किया था.

कामिया के जगन्नाथ दर्शन को लेकर बीजेपी ने सवाल उठाए हैं. टीम ने अपने सोशल मीडिया पेज पर आरोप लगाया कि कामिया जानी ने गोमांस खाया है. इसलिए, श्रीमंदिर के नियमों के अनुसार, पांडियन ने गोमांस खाने वाली महिला को मंदिर में प्रवेश की अनुमति देकर अपराध किया है। करोड़ों जगन्नाथ प्रेमियों और सनातन धर्मियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में श्रीमंदिर प्रशासन उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 295-ए के तहत मामला दर्ज कर रहा है.

इसी प्रकार, श्रीजगन्नाथ ने भी मंदिर परिसर में प्रतिबंधित वस्तुओं को ले जाकर और फिल्मांकन करके मंदिर अधिनियम का उल्लंघन करके अपराध किया है। इसलिए पार्टी ने पांडियन और कामिया दोनों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है. वहीं कामिया ने अपने सोशल मीडिया के जरिए सफाई देते हुए लिखा, मैंने कभी बीफ नहीं खाया.कामिया विवाद कल तब और भड़क गया जब संबलपुर पुलिस ने भाजपा आईटी सेल के सदस्य संग्राम पात्र को गिरफ्तार कर लिया। सोशल मीडिया पर राज्य सरकार की राजनीतिक आलोचना के एक मामले में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है. लेकिन बीजेपी का आरोप है कि कामिया जानी पर और पांडियन को निशाना बनाने का आरोप लगाया गया है. बीजेपी नेताओं ने सोशल मीडिया उन पर निशाना साधा.

वहीं, घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए सेवायत ने कहा कि अगर यह सच है तो यह एक बड़ा अपराध है. उधर, सोशल मीडिया एक्स के जरिए श्रीमंदिर प्रशासन ने कहा है कि बीजेपी की शिकायत निराधार है. यदि साक्ष्य देंगे तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। अब देखते हैं कि बीजेपी और बीजेडी के बीच सोशल मीडिया पर टकराव क्या रुख लेता है.

कोर्ट ने जांच के लिए पुलिस को 60 दिन का समय दिया पुरकायस्थ और अमित की न्यायिक हिरासत 20 जनवरी तक बढ़ी

पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष न्यायाधीश हरदीप कौर ने समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर हेड अमित चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत 20 जनवरी तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। न्यूजक्लिक पर आतंकवाद विरोधी कानून (यूएपीए) के तहत दर्ज मामले में अदालत ने दिल्ली पुलिस को जांच पूरी करने के लिए 60 और दिन का समय दिया है।

नई दिल्ली। समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक पर आतंकवाद विरोधी कानून (यूएपीए) के तहत दर्ज मामले में अदालत ने दिल्ली पुलिस को जांच पूरी करने के लिए 60 और दिन का समय दिया। पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष न्यायाधीश हरदीप कौर ने समाचार पोर्टल के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर हेड अमित चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत भी 20 जनवरी तक बढ़ा दी है।

अदालत ने यह आदेश दिल्ली पुलिस की उस याचिका पर दिया, जिसमें जांच पूरी करने के लिए और समय मांगा गया था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने तीन अक्टूबर को पुरकायस्थ और चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया था। प्राथमिकी के मुताबिक, न्यूज पोर्टल को बड़ी मात्रा में फंड चीन से भारत की संप्रभुता को बाधित करने और देश के खिलाफ असंतोष पैदा करने के लिए आया था।

पुरकायस्थ ने पीएडीएस के साथ साजिश रचीः पुलिस

इसमें यह भी आरोप लगाया गया कि पुरकायस्थ ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने के लिए एक समूह - पीपुल्स अलायंस फॉर डेमोक्रेसी एंड सेक्युलरिज्म (पीएडीएस) के साथ साजिश रची।

दिल्ली में 88 जगहों पर मारे गए छापेः पुलिस

पुलिस ने कहा कि प्राथमिकी में नामित संदिग्धों और डाटा के विश्लेषण में सामने आए संदिग्धों पर तीन अक्टूबर को दिल्ली में 88 और अन्य राज्यों में सात स्थानों पर छापे मारे गए। न्यूजक्लिक के कार्यालयों और जिन पत्रकारों की जांच की गई उनके आवासों से लगभग 300 इलेक्ट्रॉनिक गैजेट भी जब्त किए गए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023